राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर, दुर्ग एवं जगदलपुर से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 119 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, बुधवार 18 मार्च 2026 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

ईरान से सुरक्षित बाहर निकले 550 से अधिक भारतीय नागरिक

नईदिल्ली। अमेरिका और इजरायल के हमलों के बीच ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों को लेकर राहत भरी खबर आई है। यहां से सोमवार को अब तक 550 से अधिक नागरिक की ईरान से सुरक्षित निकासी हो गई है। वे आर्मेनिया के रास्ते बाहर निकले हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए आर्मेनिया सरकार की आभार जताया। उन्होंने पोस्ट में आर्मेनिया के विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान को टैग किया है। जयशंकर ने एक्स पर लिखा, ईरान से अब तक 550 से अधिक भारतीय नागरिकों की सुरक्षित निकासी में सहयोग के लिए आर्मेनिया की सरकार और वहां की जनता का आभार व्यक्त करता हूं। इन चुनौतीपूर्ण समय में अरारत मिर्जोयान के सहयोग की सराहना करता हूं। बता दें कि 550 से अधिक भारतीयों की निकासी के बाद अब ईरान में फंसे नागरिक काफी कम बचे हैं, जिनको वापस भारत लाने की कोशिशें जारी हैं।

एलपीजी संकट से जनता परेशान, पांचों राज्यों के चुनाव में भाजपा को मिलेगा करारा जवाब

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने कहा कि आने वाले समय में पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा को ज़ोर का झटका लगेगा है। देश की जनता भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों से बेहद नाराज़ है और चुनाव में भाजपा को करारा जवाब देगी। उन्होंने कहा कि असम और केरल में आम आदमी पार्टी खुद चुनाव लड़कर भाजपा को चुनौती देगी, जबकि पश्चिम बंगाल में आम आदमी पार्टी ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस को समर्थन देकर भाजपा को हराने का काम करेगी। आम आदमी पार्टी का हर कार्यकर्ता भाजपा की गलत नीतियों के खिलाफ मजबूती से लड़ाई लड़ेगा। अनुराग ढांडा ने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों और कुप्रबंधन के कारण आज पूरा देश एलपीजी गैस के गंभीर संकट से जूझ रहा है। कई राज्यों में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं और आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

क्या आपको भी इनकम टैक्स विभाग से आया है लेनदेन का ईमेल? घबराएं नहीं,

नई दिल्ली। अगर आप भी टैक्सपेयर हैं और आपको हाल ही में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की तरफ से 'महत्वपूर्ण लेनदेन'को लेकर कोई ईमेल मिला है, तो घबराने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। दरअसल, आयकर विभाग की ओर से कई करदाताओं को गलत जानकारी वाले ईमेल भेज दिए गए थे, जिससे लोगों में हड़कंप मच गया। अब इस पूरे मामले में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने खुद सामने आकर स्थिति स्पष्ट की है। विभाग ने अपनी इस बड़ी तकनीकी चूक को स्वीकार करते हुए शनिवार को सोशल मीडिया पर एक आधिकारिक पोस्ट के जरिए टैक्सपेयर्स से माफी मांगी है।

पाकिस्तान का अफगानिस्तान में कत्लेआम

अस्पातल पर गिरा दिए बम के गोले, 400 सौ की मौत

नई दिल्ली/ एजेंसी

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। तालिबान सरकार ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तान की सेना ने काबुल में एक अस्पताल पर हमला किया, जिसमें करीब 400 लोगों की मौत हो गई और लगभग 250 लोग घायल हो गए। हालांकि पाकिस्तान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। तालिबान के मुताबिक, काबुल के 9वें पुलिस जिले में स्थित उस अस्पताल को निशाना बनाया गया, जहां नशे की लत से जूझ रहे लोगों का इलाज किया जाता था। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह अफगानिस्तान की संप्रभुता और सीमा का उल्लंघन है। उन्होंने यह भी दावा किया कि मरने और घायल होने वालों में अधिकतर वे लोग थे जो नशामुक्ति उपचार के लिए वहां भर्ती थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमले में अस्पताल का बड़ा हिस्सा नष्ट हो गया है और मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। दूसरी ओर, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के प्रवक्ता मोशर्रफ जैदी ने इन आरोपों को गलत बताया। उनका कहना है कि किसी भी अस्पताल को निशाना नहीं बनाया गया। उन्होंने कहा कि कार्रवाई केवल सैन्य ठिकानों और आतंकवाद से जुड़े ठिकानों के खिलाफ की गई, जिनमें तकनीकी उपकरणों और गोला-बारूद के भंडार शामिल थे। इससे पहले भी दोनों देशों की साझा सीमा पर तनाव की खबरें सामने आई थीं। दक्षिण-पूर्वी अफगानिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों में हुई गोलाबारी में कम से कम दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य लोग घायल हुए। अफगान अधिकारियों के मुताबिक, पाकिस्तान की ओर से दागे गए मोर्टार के गोले गांवों में गिरे, जिससे कई घरों को भी नुकसान पहुंचा। लगातार तीसरे सप्ताह दोनों देशों के बीच संघर्ष जारी रहने के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युद्धविराम की अपील की जा रही है। इसी बीच चीन ने भी दोनों देशों से संयम बरतने और सीधे संवाद के जरिए विवाद सुलझाने की अपील की है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि बीजिंग चाहता है कि दोनों देश जल्द संघर्ष विराम करें और बातचीत के जरिए अपने मतभेद दूर करें। बता दें कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर युद्ध फरवरी से जारी है। पाकिस्तान ने अफगान तालिबान को दबाने के लिए हवाई शक्ति का भी इस्तेमाल किया। अफगान अधिकारियों का कहना है कि पाकिस्तान जमीन पर युद्ध नहीं टिक सकता, इसलिए वह तालिबान पर दबाव डालने के लिए इस तरह के हमले कर रहा है। अस्पताल पर हमला एक संदेश माना जा रहा है कि तालिबान को बातचीत के लिए मजबूर किया जाए।

जब हमला हुआ तब अस्पाताल में 2000 लोग करा रहे थे इलाज

इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि फरवरी से जारी इस युद्ध में सीमा पर बार-बार झड़पें हुई हैं और पाकिस्तान ने तालिबान को दबाने के लिए हवाई ताकत का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया है। वहीं इस हमले में हुए हताहत की जानकारी देते हुए अफगानिस्तान सरकार के प्रवक्ता मंदुल्लाह फित्तरत ने बताया कि हमले के समय अस्पताल में करीब 2,000 लोग इलाज करा रहे थे। इस हमले के बाद बचाव कार्य और राहत अभियान जारी हैं, लेकिन हताहतों की संख्या बढ़ने की संभावना है।

अफगान जनता और तालिबान के बीच बढ़ा सकता है एकजुटता

गौरतलब है कि जारी इस संघर्ष के बीच विशेषज्ञों का कहना है कि यह हमला अफगान जनता और तालिबान के बीच एकजुटता बढ़ा सकता है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अफगान लोग अपने बच्चों को लेकर भी सीमा पर लड़ने के लिए तैयार हैं। पाकिस्तान का उद्देश्य अफगान नागरिकों को डराकर तालिबान का समर्थन रोकना है, लेकिन इसके विपरीत अफगान जनता और मजबूत हो रही है। इस हमले ने पूरे क्षेत्र की स्थिति को और अस्थिर कर दिया है और अफगानिस्तान में आम नागरिकों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मैटरनिटी लीव पर बड़ा फैसला

बच्चा अपना हो या गोद लिया... लेकिन मां तो मां है-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/ एजेंसी

मातृत्व और महिला अधिकारों की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि गोद लेने वाली माताएं भी जैविक माताओं के समान ही मातृत्व अवकाश की हकदार हैं। न्यायालय ने कहा कि मातृत्व संरक्षण एक मूलभूत मानवाधिकार है और बच्चे को जन्म देने के तरीके के आधार पर इसमें कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 की धारा 60(4) के उस प्रावधान को असंवैधानिक ठहराया है, जिसमें केवल 3 महीने से कम उम्र के बच्चे को गोद लेने पर ही मातृत्व अवकाश देने का नियम था। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि 3 महीने से बड़े बच्चे को गोद लेने वाली महिला को छुट्टी देने से इनकार करना समानता (अनुच्छेद 14) और जीवन के अधिकार (अनुच्छेद 21) का उल्लंघन है। गैर-जैविक तरीके भी कानूनी: परिवार बनाने के गैर-जैविक तरीके (जैसे गोद लेना) उतने ही कानूनी और गरिमापूर्ण हैं जितने कि जैविक तरीके। समान अधिकार: गोद लिया हुआ बच्चा और जैविक बच्चा कानून की नजर में समान हैं। उनके बीच अंतर करना बच्चे और माँ दोनों के अधिकारों का हनन है। रिप्रोडक्टिव ऑटोनॉमी: प्रजनन स्वायत्तता का अधिकार केवल जैविक जन्म तक सीमित नहीं है, इसमें बच्चे को गोद लेकर पालन-पोषण करना भी शामिल है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पितृत्व अवकाश नीति लाने पर विचार करने का भी आग्रह किया है। न्यायालय का मानना है कि बच्चे के पालन-पोषण में पिता की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है और आधुनिक समाज में इसे कानूनी मान्यता मिलनी चाहिए।

गरमजोशी भरी मेहमाननवाज़ी के साथ पंजाबी गीत-संगीत और नृत्यों ने भी निवेशकों का मन मोह लिया

मोहाली। प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन-2026 के दौरान जहाँ देश-विदेश से आए निवेशक पंजाब सरकार की निवेश-समर्थक नीतियों से बेहद प्रभावित हुए, वहीं राज्य सरकार की गर्मजोशी भरी मेहमाननवाज़ी के साथ पंजाबी गीत-संगीत और नृत्यों ने भी निवेशकों का दिल जीत लिया। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने उद्घाटन सत्र के दौरान कहा था कि सम्मेलन में भाग लेने आए प्रतिनिधि पंजाबी गानों और खान-पान का भी आनंद लेंगे।

अनंत सिंह का ऐलान

छोटे सरकार ने राजनीति से ले लिया संन्यास.....

पटना/ एजेंसी

बिहार की राजनीति में 'छोटे सरकार' के नाम से चर्चित मोकामा विधायक अनंत सिंह ने सोमवार को एक बड़े सियासी बदलाव के संकेत देकर सबको चौंका दिया। सोमवार को राज्यसभा चुनाव के लिए वोट डालने के लिए बेऊर जेल से एम्बुलेंस के जरिए विधानसभा पहुंचे अनंत सिंह ने कहा कि वे अब अगला विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने अपनी सक्रियता को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राजनीति से जोड़ते हुए कहा, जब तक नीतीश कुमार बिहार की राजनीति में सक्रिय हैं, तब तक मैं भी हूं, लेकिन जिस दिन वे हटेंगे, उसी दिन मैं भी राजनीति से दूरी बना लूंगा। अब सवाल ये उठता है कि अगर अनंत सिंह संन्यास लेते हैं तो उनका वारिस कौन होगा।

विपक्ष का सदन से बहिर्गमन

विधायक का आरोप-गोदावरी प्लांट ने वन भूमि को उजाड़ा..

रायपुर। समय दर्शन

विधानसभा में आज कांग्रेस विधायक चातुरी नंद ने आरोप लगाया कि महासमुंद जिले के जंगलबेड़ा में गोदावरी सोलर प्लांट ने वन भूमि को उजाड़ने का काम किया है। इसके विरोध में वहां हड़ताल चल रही है। इस मुद्दे पर वन मंत्री केदार कश्यप की ओर से संतोषप्रद जवाब नहीं आने का आरोप लगाते हुए विपक्षी विधायक सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सदन से बहिर्गमन कर गये। प्रश्नकाल में श्रीमती चातुरी नन्द का सवाल था कि वर्ष 2025 में क्या महासमुंद वन मंडल के सरायपाली वन परिक्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जंगलबेड़ा में नर्सरी अथवा वृक्षारोपण का कार्य किया गया था? यदि हां, तो किस-किस प्रकार के कुल कितने वृक्ष कितने क्षेत्रफल में लगाए गए थे? क्या उपरोक्त नर्सरी की भूमि को उद्योग विभाग अथवा सोलर प्लांट स्थापना के लिए उपयोग करने हेतु वन विभाग व्दारा एनओसी जारी की गई थी? यदि हां, तो किन शर्तों के तहत कब एनओसी जारी की गई थी? क्या उक्त अवधि में जंगलबेड़ा में अवैध पेड़ कटाई के प्रकरण विभाग के संज्ञान में आए हैं? यदि हां, तो अवैध पेड़ कटाई पर विभाग व्दारा कब-कब क्या कार्रवाई की गई है? वन मंत्री केदार कश्यप का जवाब आया कि इस संबंध में किसी भी तरह का प्रश्न उपस्थित नहीं होता। चातुरी नंद ने कहा कि वन मंत्री नहीं का जवाब दे रहे हैं, जबकि उपलब्ध दस्तावेज के अनुसार 1989-90 मिशन के तहत यह स्थान सामाजिक वानिक वन विभाग (शेष पृष्ठ 3 पर)

गंगा किनारे कब्जा करने वालों की अब खैर नहीं

नई दिल्ली। पवित्र गंगा नदी के किनारों और उसके मैदानी इलाकों (फ्लड प्लेन) पर अवैध रूप से पक्के निर्माण कर कब्जा जमाने वालों पर अब सुप्रीम कोर्ट की गाज गिरने वाली है। देश की सर्वोच्च अदालत ने इस मामले में बेहद सख्त रुख अपनाते हुए केंद्र सरकार को एक कड़ा निर्देश जारी किया है। अदालत ने सरकार से गंगा किनारे हुए सभी अवैध निर्माणों और अतिक्रमण को लेकर एक विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी बताने को कहा है कि इस अवैध कब्जे को हटाने और नदी के संरक्षण के लिए अब तक जमीन पर क्या ठोस कदम उठाए गए हैं।

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग पर कांग्रेस सख्त

सोफिया फिरदौस समेत तीनों विधायकों को किया निलंबित

नई दिल्ली/ एजेंसी

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए कांग्रेस पार्टी ने उन्हें निलंबित कर दिया है। 16 मार्च को हुए राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के तीन विधायकों रमेश जेना, दशरथी गोमांगो और सोफिया फिरदौस ने भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप राय को वोट दिया था, जिसके चलते कांग्रेस और बीजद के संयुक्त उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस ने तीनों बागी विधायकों को निलंबित करते हुए कहा कि इन विधायकों ने पार्टी के आधिकारिक व्हिप का उल्लंघन किया है, जो पार्टी अनुशासन का गंभीर उल्लंघन है। ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने बयान जारी कर कहा, तीनों विधायकों ने न सिर्फ पार्टी के निर्देशों को नहीं माना बल्कि पार्टी और इसकी विचारधारा के हितों के खिलाफ काम किया। इसका संज्ञान लेते हुए तीनों विधायकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। पार्टी सूत्रों ने संकेत दिए हैं कि तीनों पर आगे भी कार्रवाई की जा सकती है और इन्हें पार्टी से निष्कासित करने पर भी विचार किया जा सकता है। कांग्रेस मीडिया सेल के अध्यक्ष अरबिंद दास ने बताया कि मामले की समीक्षा की जा रही है। ओडिशा कांग्रेस के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग की पुष्टि करते हुए कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को भी इसकी जानकारी दी गई है।

विपक्ष का वाक आउट

अवैध प्लाटिंग वालों को मंत्री का संरक्षण मिलने का आरोप

■ विधानसभा में सवालों की बौछार...

रायपुर। समय दर्शन

विधानसभा में आज धमतरी व कांकेर जिले में अवैध प्लाटिंग के मामले को विपक्ष ने जमकर उठाया। अवैध प्लाटिंग के कार्यों में लिप्त लोगों को राजस्व मंत्री का संरक्षण मिल रहा है आरोप लगाते हुए विपक्ष सदन से वाक आउट कर गया। प्रश्नकाल में कांग्रेस विधायक श्रीमती अंबिका मरकाम का सवाल था कि वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 से लेकर 31 जनवरी 2026 तक की स्थिति में धमतरी में व कांकेर जिले में अवैध प्लाटिंग और कॉलोनियों की कितनी शिकायतें प्राप्त हुई? कुल कितने खसरों की शिकायतें प्राप्त हुई हैं, उसमें से कितने खसरों की जांच हो चुकी है? जिले में अवैध प्लाटिंग एवं अवैध कालोनियों पर कार्रवाई करने हेतु सक्षम अधिकारी कौन है एवं उनके व्दारा अभी तक क्या कार्रवाई की गई है? कार्यवाही प्रक्रियाधीन है तो कब से प्रक्रियाधीन है और किस अधिकारी के पास प्रक्रियाधीन है? अवैध प्लाटिंग और अवैध कॉलोनी के लिए कौन-कौन से अधिकारी-कर्मचारी जिम्मेदार हैं? क्या इनके विरूद्ध कोई शिकायत प्राप्त हुई है? अगर हां, तो क्या कार्रवाई की गई? राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा कि ओर से जवाब आया कि प्रश्नावधि में धमतरी जिले में अवैध प्लाटिंग की कुल 3 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जो 3 खसरों से संबंधित है। 2 खसरों की जांच अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) व्दारा किया गया है। 1 खसरे की जांच धमतरी नगर निगम के अधिकारी व्दारा किया गया। कांकेर जिले में अवैध प्लाटिंग एवं अवैध कॉलोनी के संबंध में कुल 5 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जो 175 खसरों से संबंधित हैं। इनमें से 8 खसरों की जांच हो चुकी है तथा 167 खसरों की जांच प्रक्रियाधीन है। अवैध प्लाटिंग एवं अवैध कॉलोनी पर कार्यवाही करने हेतु नगरीय क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम, 1961 अंतर्गत मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ ग्राम पंचायत (कॉलोनाईजर का रजिस्ट्रीकरण निर्बन्धन तथा शर्तें) नियम 2013 अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सक्षम प्राधिकारी हैं। जिला धमतरी में वित्तीय वर्ष 2024-25 में 10 प्रकरणों तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 39 प्रकरणों पर कार्यवाही करते हुए निर्मित अवैध मुरूम रोड हटाया गया एवं मार्ग विच्छेदन किया गया। कुछ स्थानों पर अवैध प्लाटिंग हेतु गाड़े गये खुटों एवं बाउंड्रीवाल को हटाया गया। कांकेर जिले में कुल 14 खसरों के क्रय विक्रय पर रोक लगाई गई है। धमतरी जिले में अवैध प्लाटिंग एवं अवैध कॉलोनी के लिये जिम्मेदार अधिकारी एवं कर्मचारी की जानकारी निरंक है। अम्बिका मरकाम ने पूछा कि शिकायतों के बाद भी कार्यवाही क्यों नहीं की गई? मंत्री ने कहा कि धमतरी जिले में अवैध प्लाटिंग एवं अवैध कॉलोनी निर्माण के लिए दोषी पाते हुए 3 पटवारियों का इंक्रीमेंट रोका गया है और 3 पटवारियों को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। तहसीलदार को भी नोटिस दिया गया है। धमतरी-कांकेर ही नहीं पूरे प्रदेश में अवैध प्लाटिंग व अवैध कॉलोनी निर्माण को रोकने के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता वाली समिति का गठन किया गया है, जिसमें एसपी एवं जिला पंचायत सीईओ सदस्य होते हैं। अम्बिका मरकाम ने पूछा कि धमतरी एवं कांकेर वाले मामले की क्या आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो से जांच कराएंगे? मंत्री ने कहा कि जांच के लिए हमारा विभाग सक्षम है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि इस तरह का प्रश्न प्रत्येक सत्र में आता है। पूर्व में ओंकार शाह ने पूछा। अब अम्बिका मरकाम ने पूछा। अजय चंद्राकर भी चिंतित हैं। अब तक प्रदेश में कितनी अवैध कॉलोनियां हैं और कितनों को नोटिस दिए हैं? (शेष पृष्ठ 3 पर)

मस्जिद में शबे कद्र की रौनक, मुस्लिम समुदाय ने की रात भर इबादत और दुआएं

किरंदुल (समय दर्शन)। रमजान शरीफ की 27वीं रात, जिसे शबे कद्र (लैलतुल कद्र) के नाम से जाना जाता है, किरंदुल की सुननी मदीना मस्जिद में मुस्लिम समुदाय ने बड़ी संख्या में जुटकर अल्लाह की इबादत की और गुनाहों की माफी मांगी। इस पवित्र रात में हजारों महीनों से अफ्जल इबादत का सवाब पाने के लिए लोग रात भर जागते रहे। बताया जाता है कि 26 रमजान की रात कुरान शरीफ की तिलावत पूरी हुई, जिसमें तरावीह नमाज के दौरान ख़त्म-ए-कुरआन हुआ। उसके बाद सूरह तरावीह चांद निकलने तक पढ़ी जाएगी कार्यक्रम की शुरुआत बाहर से पधारे हाफ़िज मोहम्मद महमूद आलम ने अपनी सुरीली आवाज में कुरान शरीफ की तिलावत करके की।

इस दौरान नात शरीफ पढ़ी गई और मौलाना इकबाल रिजवी ने मुस्लिम समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि शबे कद्र में खूब इबादत करें, क्योंकि यह रात हजार रातों से बेहतर है। इस एक रात की इबादत से हजार रातों का सवाब मिलता है।

शबे कद्र की रात में मुस्लिम समुदाय ने अपने पूर्वजों को याद करते हुए कब्रिस्तान जाकर फूल चढ़ाए और दुआएं मांगीं। कार्यक्रम में हाफ़िज महमूद आलम, मौलाना इकबाल अहमद, कमाल अहमद को सम्मानित किया गया। कमेटी के नायब सदर अनवर हुसैन, सेक्रेटरी नजमुल हक, सह-सचिव फारूक राजा कोसा, अध्यक्ष आदिल हसन खान, सह-कोषाध्यक्ष अहमद अली को जमात के लोगों ने साफा बांधकर और बुके देकर स्वागत किया।

बाहर से आए हाफ़िज महमूद आलम, मौलाना इकबाल अहमद और कमाल अहमद को तोहफे भी भेंट किए गए। इस अवसर पर समाज के सभी वर्गों के लोग उपस्थित रहे और पवित्र रात की बरकतों से फैजयाब हुए।

संक्षिप्त समाचार

18 मार्च को कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन का जंगी प्रदर्शन अनुविभागीय अधिकारी को सौपेंगे ज्ञापन

पाटन। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय आव्हान पर दिनांक 18/03/2026 दिन बुधवार को भोजन अवकाश के दौरान जिला एवं ब्लाक मुख्यालयों में मोदी की गारंटी को लागू करवाने व 11 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर माननीय मुख्यमंत्री छ0ग0शासन एवं मुख्य सचिव,छ0ग0शासन के नाम ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया है। महेन्द्र कुमार साहू ब्लाक संयोजक कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ब्लाक पाटन ने बताया कि छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडररेशन से संबद्व समस्त विभागों के अधिकारी कर्मचारी भोजन अवकाश के दौरान (दोपहर समय 1.30 बजे) अधिक से अधिक संख्या में जनपद पंचायत पाटन के सामने शिव मंदिर के पास आंदोलन स्थल में उपस्थित होकर अपनी एकता और अधिकारों की आवाज बुलंद करेंगे व माननीय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पाटन को ज्ञापन सौपेंगे।

ग्राम बनाहिल में हाइड्रोफ्रेक्चर तकनीक से दूर हुआ पेयजल संकट

जांजगीर-चांपा समय दर्शन / विकासखंड अकलतरा के ग्राम बनाहिल में पेयजल समस्या का सफल समाधान कर लिया गया है। अब ग्रामीणों को गर्मी के मौसम में जल संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा। ग्रामवासियों द्वारा हाल ही में कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे से पेयजल समस्या के समाधान की मांग की गई थी। इस पर कलेक्टर श्री महोबे ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री आदित्य प्रताप ने बताया कि उक्त निर्देशाानुसार सहायक अभियंता उपखंड अकलतरा श्री पवन अग्रवाल के साथ ग्राम बनाहिल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जल स्रोतों के घटते जल स्तर को देखते हुए हाइड्रोफ्रेक्चर तकनीक के उपयोग से नलकूपों को पुनर्जीवित करने का निर्णय लिया गया। इसके तहत 15 मार्च 2026 को यूनिसेफ की मशीन के माध्यम से कांतिपारा तिरूपति के घर के पास स्थित हैंडपंप एवं पामगढ़ मार्ग स्थित यात्री प्रतीक्षालय के पास के हैंडपंप में हाइड्रोफ्रेक्चर कार्य किया गया। इस प्रक्रिया से नलकूपों की जल आवक क्षमता में वृद्धि हुई, जिससे पेयजल समस्या का समाधान संभव हो सका। गौरतलब है कि ग्राम बनाहिल की आबादी लगभग 1629 है तथा यहां 17 हैंडपंप स्थापित हैं। शेष हैंडपंपों में भी हाइड्रोफ्रेक्चर तकनीक से जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने का कार्य प्रगति पर है। इस पहल से ग्रामीणों को राहत मिली है और गर्मी के मौसम में निर्बाध पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है।

धारदार हथियार लहराकर दहशत फैलाने वाले दो युवक गिरफ्तार

दुर्ग। पुलगांव थाना क्षेत्र में धारदार हथियार लेकर लोगों को डराने-धमकाने और इलाके में दहशत फैलाने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो धारदार हथियार भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार 16 मार्च को नियमित पेट्रोलिंग के दौरान पुलगांव चौक के पास पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि पीसेगांव नदी रोड के पास दो युवक हाथों में धारदार हथियार लेकर लोगों को डराते-धमकाते हुए भय का माहौल बना रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर दोनों युवकों को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर आरोपी मयंक बांधे के पास से एक चापड़नुमा लोहे का धारदार हथियार और आरोपी दिनेश ठाकुर के पास से एक बटनदार स्टील का धारदार हथियार बरामद किया गया। दोनों युवकों के खिलाफ थाना पुलगांव में आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मयंक बांधे (19 वर्ष) निवासी ग्राम चंदखुरी और दिनेश ठाकुर (19 वर्ष) निवासी ग्राम कोनारी, थाना पुलगांव, जिला दुर्ग के रूप में हुई है।

नशे के खिलाफ बसना पुलिस की बड़ी कार्रवाई

बाइक से गांजा तस्करी करते दो आरोपी गिरफ्तार, लाखों की जप्ती

एन्टी नारकोटिक टीम की सख्ती जारीः 4 किलो से अधिक गांजा, बाइक और मोबाइल जब्त

बसना (समय दर्शन)। जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एन्टी नारकोटिक टास्क फोर्स और थाना बसना पुलिस को एक और सफलता मिली है। संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने बाइक से गांजा तस्करी करते दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 4.070 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा सहित अन्य सामग्री जब्त की है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 16 मार्च 2026 को नियमित वाहन चेकिंग के दौरान बजाज प्लेटिना मोटरसाइकिल क्रमांक छत्त 06 त्तङ्ग 4909 को रोका गया। वाहन में सवार चालक ने अपना नाम सुरेन्द्र कुमार गडतिया (32 वर्ष) निवासी पझरापाली थाना बसना तथा पीछे बैठे व्यक्ति ने अपना नाम संजय विशाल (22 वर्ष) निवासी चारभांठा थाना सांकरा बताया। संदेह के आधार पर तलाशी लेने पर आरोपियों के पास रखे सफेद झोले से चार पैकेट में टेप से लिपटा हुआ गांजा बरामद हुआ। तौल करने पर इसकी मात्रा 4.070 किलोग्राम पाई गई, जिसकी अनुमानित कीमत 2 लाख 3 हजार 500 रुपये बताई गई है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से गांजा के साथ परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल (कीमत करीब 70 हजार रुपये) और दो मोबाइल फोन (कीमत लगभग 10 हजार रुपये) भी जब्त कर लिए। इस प्रकार कुल 2 लाख 83 हजार 500 रुपये की संपत्ति जप्त की गई है।

आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है और न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया गया है।

पुलिस के अनुसार वर्ष 2026 में अब तक जिले में 52 प्रकरणों में 3076.460 किलोग्राम गांजा जब्त किया जा चुका है, जिसकी कीमत 15 करोड़ 33 लाख 4 हजार रुपये से अधिक है। इस दौरान कुल 139 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें 40 छत्तीसगढ़ और 99 अन्य राज्यों के निवासी शामिल हैं।

यह पूरी कार्रवाई एन्टी नारकोटिक टास्क फोर्स और थाना बसना पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की गई है।

सिंघोड़ा के पास खाली ट्रक छोड़कर फरार हुए आरोपी

पटपरपाली के एक मकान में छुपाकर रखे 30 मीट्रिक टन दाल-शक्कर बरामद

महासमुन्द (समय दर्शन)। बसना व मध्यप्रदेश के आरोपी गिरफ्तार में खयानत के एक मामले में कोमाखान पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बसना और मध्यप्रदेश के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी मात्रा में दाल और शक्कर बरामद की है। आरोपियों ने ट्रक में लोड सामान को गंतव्य तक पहुंचाने के बजाय छिपाकर रख दिया था।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रायपुर के गुढ़ियारी निवासी गौतम चंद सेठिया (62 वर्ष) ने 14 मार्च 2026 को थाना कोमाखान में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 10 मार्च 2026 को करीब 30 मीट्रिक टन दाल व शक्कर (कीमत लगभग 16 लाख 50 हजार रुपये) को मां लक्ष्मी ट्रांसपोर्ट के ट्रक क्रमांक छत्त 04 स्ध्र 8671 में लोड कर चालक झनक नायक निवासी नायकपारा बसना तथा परिचालक संतोष आदिवासी निवासी बरोदिया, जिला सागर (मध्यप्रदेश) के माध्यम से चाईबासा (झारखंड) के लिए रवाना किया गया था।

लेकिन निर्धारित समय पर सामान गंतव्य तक नहीं पहुंचा और दोनों के मोबाइल फोन भी बंद मिले। इस पर प्रार्थी की शिकायत के आधार पर थाना कोमाखान में अपराध क्रमांक 32/2026 धारा 316(3) व 61(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान पता चला कि आरोपियों ने ट्रक को ग्राम सिंघोड़ा के पास खाली हालत में खड़ा कर दिया था और ट्रक में लोड पूरा माल ग्राम पटपरपाली (एनएच-353) स्थित एक मकान में छिपाकर रख दिया था। पुलिस ने 16 मार्च को दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपियों के मेमोरेंडम के आधार पर पटपरपाली स्थित मकान से शक्कर की 420 बोरी सहित विभिन्न प्रकार की दालें बरामद की गईं।

बरामद सामग्री में राहर दाल, मसूर दाल, मूंग, काबुली चना, राजमा, उड़द और तुअर दाल सहित अन्य खाद्य सामग्री शामिल है। साथ ही ट्रक को भी जब्त किया गया है। पुलिस के अनुसार कुल बरामद संपत्ति की कीमत लगभग 36 लाख 50 हजार रुपये आंकी गई है।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है तथा मामले की आगे जांच जारी है।

ऑपरेशन सोनचिरैया ने चलाया स्वच्छता अभियान

जांजगीर,// समय दर्शन // जांजगीर में चल रहे ऑपरेशन सोनचिरैया के अंतर्गत रविवार कोण कुलीपोटा, जांजगीर में टाटा शोरूम के सामने स्वच्छता अभियान चलाया गया। युवाओं की टीम ने मिलकर क्षेत्र में फैले कचरे को साफ किया तथा आसपास के लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। अभियान का उद्देश्य शहर को स्वच्छ बनाना और लोगों में सफाई के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है।

इस अभियान में पार्थ तिवारी, महेंद्र चौहान, निखिल कहरा, पिंटू यादव, किशोर कुमार खूंटे, विक्रमादित्य सिंह, आयु अग्रवाल, ओम सिंह, संस्कार पांडे, अनीश रत्नाकर, गौरव कटाक्कार, शुभम राठौर, ओम साहू और रितेश चौरसिया ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

इससे पूर्व ऑपरेशन सोनचिरैया द्वारा शहर के छह अन्य स्थानों पर भी सफलतापूर्वक स्वच्छता अभियान चलाया जा चुका है और कुलीपोटा, जांजगीर का यह अभियान सातवां स्थान रहा। अभियान के दौरान ऑपरेशन सोनचिरैया की टीम ने गांव के सरपंच से भी चर्चा की, जिस पर सरपंच ने गांव में स्वच्छता बनाए रखने का आश्वासन दिया। साथ ही टीम के सदस्यों ने बताया कि 22 मार्च 2026 को ऑपरेशन सोनचिरैया के तहत शहर में बड़े स्तर पर स्वच्छता अभियान आयोजित किया जाएगा, जिसमें अनेक युवा, विद्यार्थी तथा समाज के अन्य लोग भाग लेकर शहर को स्वच्छ बनाने के इस अभियान को आगे बढ़ाएंगे।

ग्राम कसही में सोने चांदी के जेवरात व नगदी रकम चोरी करने वाले आरोपियों को थाना डौण्डीलोहारा पुलिस के द्वारा किया गिरफ्तार

चोरी की घटना को प्रार्थी के रिश्तेदार भाईयों के द्वारा दिया गया था अंजाम

बालोद (समय दर्शन)। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री योगेश पटेल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्रीमति मोनिका ठाकुर उप0 पुलिस अधीक्षक श्री बोनी फॉस एक्का के निर्देशन में थाना प्रभारी डौण्डीलोहारा निरीक्षक मुकेश सिंह एवं स्टाफ के द्वारा ग्राम कसही नेमीचंद साहू के घर में चोरी के मामले में बारिकी से विवेचना कर आरोपियों को पकडा गया।

विवरण:- मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि थाना डौण्डीलोहारा के अपराध क्रमांक 88/2025, धारा 331(4), 305(ए), 317(4),3(5) बीएनएस में प्रार्थी नेमीचंद साहू पिता स्व. पुनाधर साहू उम्र 36 साल निवासी वार्ड नं 01 कसही थाना डौण्डी लोहारा जिला बालोद का दिनांक 21.06.2025 को प्रथम सूचना पत्र रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 20.06.2025 सुबह करीबन 08.00 बजे अपने पत्नि बच्चों के साथ अपने पुराना गांव तिलईवार जिला-राजनांदगांव गया था, रात्रि में रूकने के बाद दिनांक 21.06.2025 के दोपहर करीबन 02.00 बजे घर पहुंच कर सामने दरवाजा का ताला खोलकर अंदर जाने पर देखा कि मेरे शयन रूम के दरवाजा में लगे ताला टुटा हुआ था, कमरा अंदर जाकर देखा तो कमरा में रखे लोहे के आलमारी के लॉकर टूटा हुआ था, लोहे के आलमारी रखे नगदी रकम एवं सोने चांदी के जेवरात को कोई अज्ञात चोर दिनांक 20.06.2025 से दिनांक 21.06.2025 के दरम्यानी रात में मेरे घर के पीछे बाड़ी की ओर प्रवेश कर शयन रूम के दरवाजा में लगे ताला को तोड़कर अंदर प्रवेश कर आलमारी में रखे चांदी के जेवरात को चोरी कर ले गया कि रिपोर्ट पर अपराध धारा सदर का अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया, प्रकरण में प्रार्थी गवाहों से विस्तृत पूछताछ कर प्रार्थी नेमीचंद साहू का पुनः पूरक कथन लेखबद्ध किया गया है विवेचना दौरान् सायबर सेल बालोद से संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी प्राप्त किया गया है , प्रकरण में चोरी के संबंध में जरिये मुखबीर से सूचना मिला कि आरोपियो के द्वारा ग्राम कसही में चोरी की घटना कारित किया गया है एवं चोरी किये सामान को ग्राम तिलईरवार के घर में छिपाकर रखा गया है। उक्त संदेहियो को घटना के संबंध में पूछताछ हेतु थाना तलब कर बारिकी से पूछताछ किया गया जिनके द्वारा घटना कारित करना एवं घटना में शामिल होना बताने पर मेमोरेण्डम कथन लिया गया, मेमोरेण्डम कथन के आधार पर सोने, चांदी एवं नगदी रकम की जप्ती कार्यवाही किया गया है।

प्रकरण में विवेचना के दौरान पता चला कि दिनांक 20.06.25 के दरम्यानी रात्रि को आरोपी खिलेन्द्र कुमार साहू उर्फ बंटी एवं उसका साथी महेश साहू उर्फ महेशू निवासी ग्राम तिलईरवार जो कि प्रार्थी का रिस्ते में बड़े पिताजी का लड़का है जिसे प्रार्थी के परिवार सहित ग्राम तिलईरवार आने की जानकारी होने व पूर्व में प्रार्थी नेमीचंद साहू के पिता के निधन के समय घर में आने-जाने व घर के कमरे, दुकान का पूर्ण जानकारी था दोनों आरोपी चोरी का योजना बनाकर मोटर सायकल में बैठकर रात्रि में ही ग्राम कसही आकर प्रार्थी के घर चोरी के अपराध को अंजाम दिये है चोरी के सोना चांदी, नगदी रकम को दोनों आरोपी महेशू की मां पद्मा साहू के घर ग्राम तिलईरवार में छिपाकर रखे थे तथा ग्राम टप्पा निवासी भूपेन्द्र कुमार साहू व नूतेश कुमार साहू ग्राम तिलईरवार जिला राजनांदगांव के पास बिक्री करना बताया जिनसे संपत्ति बरामद किया गया है। आरोपियों के कब्जे से सोने का लॉकेट, 02 जोड़ी सोने का झुमका, 01 नग सोने का मंगलसूत्र, 01 नग सोने का छोटा हार, पांच जोड़ी चांदी का पायल, 05 नग चांदी का सिक्का, मोबाईल फोन व 28,500 रूपये नगदी रकम को आरोपियों के कब्जे से बरामद किया गया चोरी गये संपत्ति को बरामदगी के पश्चात प्रार्थी व उसकी पत्नि से पहचान कार्यवाही कराया गया जिनके द्वारा चोरी की संपत्ति उनका होना बताया गया है। आरोपी खिलेन्द्र कुमार साहू व महेश साहू दोनों आरोपी पूर्व में चोरी के प्रकरण में जेल जा चुका है, प्रकरण के आरोपी खिलेन्द्र कुमार साहू उर्फ बंटी के विरूध्द थाना डोगरगांव में अपराध क्रमांक 153/24 धारा 34,380,411,457 भादवि एवं थाना डोंगरगढ़ में अपराध क्रमांक 573/2025 धारा 305, 331(3), 3(5) बीएनएस एवं व आरोपी महेश साहू उर्फ महेशू के विरूध्द थाना डोंगरगढ़ में अपराध क्रमांक 573/2025 धारा 305, 331(3), 3(5) बीएनएस का अपराध पूर्व में दर्ज है। प्रकरण में उक्त आरोपियो के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य सबूत पाये जाने से दिनांक 15.03.2026 एवं 17.03.2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया है।

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक मुकेश सिंह, सहायक उपनिरीक्षक अनित राम यादव, प्र.आर. 652 दिगम्बर वर्मा, प्र.आर. 1697 अरविंद यादव, म0प्र.आर. 989 लिलेश्वरी देवांगन, आरक्षक विनोद कुमार, आरक्षक पूनम खरे, आरक्षक धर्मेन्द्र सेन, सायबर सेल बालोद से आरक्षक संदीप यादव एवं तकनिकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

गिरफ्तार आरोपी:- 01 खिलेन्द्र कुमार साहू उर्फ बंटी पिता गोपाल साहू, उम्र 23 साल साकिन ग्राम तिलईरवार, चौकी तुमड़ीबोड़ थाना लालबाग जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)

02 श्रीमती पद्मा साहू पति लोकनाथ साहू उम्र 47 साल साकिन ग्राम तिलईरवार चौकी तुमड़ीबोड़थाना लालबाग जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)

03 नितिन कुमार झाड़े पिता अरूण कुमार झाड़े, उम्र 22 साल साकिन ग्राम टप्पा थाना चिचोला जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)

04.महेश उर्फ महेशू साहू पिता लोकनाथ साहू उम्र 25 साल साकिन ग्राम तिलईरवार, चौकी तुमड़ीबोड़, थाना लालबाग जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)

थाना तेलीबांधा क्षेत्र में टूर एण्ड टेऊवल्स व्यवसायी को बनाये थे अपना निशाना।

विदेशी मुद्रा के नाम पर ठगी करने वाला पश्चिम बंगाल का अंतर्राज्यीय आरोपी गिरफ्तार

आरोपी पूर्व में भी ठगी के मामले में मुम्बई के थाना बांद्रा से अभियोजित किया जा चुका है ।

रायपुर। प्रार्थी हरदीप सिंह होरा, निवासी गुरुनानक नगर, तेलीबांधा, रायपुर ने थाना तेलीबांधा में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह ट्रैवल प्लानर नाम से टूर एंड ट्रैवल्स का व्यवसाय करता है, जिसमें एयर टिकट, होटल बुकिंग तथा टूर पैकेज का कार्य किया जाता है। दिनांक 01.03.2026 को शाम लगभग 05:00 बजे मोबाइल नंबर 8460708270 से व्हाट्सएप कॉल आया। कॉल करने वाले ने अपना नाम हर्षित अग्रवाल बताया और अमेरिका व लंदन में होटल बुकिंग कराने की बात कही। प्रार्थी ने व्हाट्सएप चौट के माध्यम से होटल के विकल्प भेज दिए। इसके बाद उक्त व्यक्ति ने पुनः कॉल कर बैंक खाता विवरण मांगा और अगले दिन भुगतान करने की बात कही। दिनांक 02.03.2026 को दोपहर में उसने प्रार्थी को करेंसी टॉवर, तेलीबांधा के सातवें फ्लोर स्थित जेनेट को-वर्किंग स्पेस में बुलाया और मैसेज कर बताया कि 18,000 यू एस डी 2000 जी बी पी साथ लेकर आना, जहां उसके भाई रक्षित अग्रवाल द्वारा भारतीय मुद्रा दे दी जाएगी। उसी दिन लगभग 02:40 बजे प्रार्थी वहां पहुंचा और 18,000 यू एस डी तथा 2,000 जी बी पी लेकर गया। वहां मौजूद रक्षित अग्रवाल नोट गिनने की मशीन लाने की बात कहकर केबिन से बाहर चला गया। इसी दौरान हर्षित

अग्रवाल फोन पर प्रार्थी को बातचीत में उलझाकर धोखाधड़ी करते हुए 18,000 यू एस डी व 2,000 जी बी पी (भारतीय मुद्रा लगभग 19,47,400/- रूपये) को लेकर फरार हो गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरुद्ध थाना तेलीबांधा में अपराध क्रमांक 103/2026 धारा 318(4), 3(5) बी.एन.एस. के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

घटना को पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) श्री स्मृतिक राजनाला एवं पुलिस उपायुक्त (मध्य जोन) श्री उमेश प्रसाद गुप्ता द्वारा गंभीरता से लेते हुए अधीनस्थ अधिकारियों एवं प्रभारियों को आरोपियों की शीघ्र पतासाजी कर गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राइम एण्ड साइबर यूनिट तथा थाना तेलीबांधा पुलिस की संयुक्त टीम का गठन कर तत्काल कार्यवाही प्रारंभ की गई। टीम द्वारा घटना के संबंध में प्रार्थी से विस्तृत पूछताछ कर घटना स्थल का निरीक्षण कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का अवलोकन किया गया। आरोपियों की पहचान हेतु तकनीकी विश्लेषण करने के साथ ही आरोपियों द्वारा उपयोग किए गए मोबाइल नंबरों, मैसेज एवं पहचान संबंधी जानकारी एकत्र की गई है। इसके अतिरिक्त घटना स्थल के आसपास के व्यवसायिक प्रतिष्ठानों एवं कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों से पूछताछ कर आरोपियों की पहचान एवं आवागमन संबंधी जानकारी जुटाई जा रहीं थी।

इसी दौरान घटना में संलिप्त एक आरोपी के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई तथा आरोपी को पश्चिम बंगाल के हावड़ा में लोकेट किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में टीम के सदस्यों को हावड़ा रवाना किया गया, जहां टीम द्वारा आरोपी की पतासाजी करते हुये प्रकरण में आरोपी प्रोसेनजित चक्रवर्ती को गिरफ्तार कर प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर ठगी की उक्त घटना को अंजाम देना स्वीकार किया गया।

आरोपी प्रोसेनजित चक्रवर्ती को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से नगदी रकम 4,50,000/- रूपये तथा घटना से संबंधित 01 नग आई फोन जुमला कीमती 5,50,000/- रूपये जप्त कर कार्यवाही किया गया।

ऑपरेशन साइबर शील्ड अंतर्गत लगातार प्रभावी कार्यवाही

रायपुर। पुलिस महानिरीक्षक, रायपुर रेंज श्री अमरेश मिश्रा द्वारा साइबर अपराधों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही के निर्देश देते हुए रेंज साइबर थाना रायपुर को तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी तथा ठगी की रकम को चिन्हित कर होल्ड/जप्त करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रार्थी सपन कुमार द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि अज्ञात मोबाइल नंबर धारकों ने स्वयं को मुंबई क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताकर प्रार्थी के क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध मनी लॉन्ड्रिंग का झूठा मामला दर्ज होने की बात कहकर भयभीत किया। इसके बाद प्रार्थी को 24 घंटे व्हाट्सएप वीडियो कॉल पर जुड़े रहने के लिए मजबूर कर तथाकथित डिजिटल अरेस्ट में रखते हुए उससे लगभग ?1.25 करोड़ की धोखाधड़ी कर ली गई। प्रकरण में थाना विधानसभा में अपराध क्रमांक 22/26 धारा 318(4), 3(5) बीएनएस एवं 66(D) आईटी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज श्री अमरेश मिश्रा द्वारा मामले की गंभीरता को देखते तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण कर मुख्य आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही करने निर्देश दिया गया था। विवेचना के दौरान ठगी की राशि को विभिन्न लेयर के बैंक खातों में ट्रांसफर किया जाना पाया गया, जिसे चिन्हित कर तत्काल प्रभाव से होल्ड कराया गया। आगे की विधिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय की प्रक्रिया के माध्यम से ?58 लाख की राशि पीड़ित को वापस कराई जा चुकी है। साथ ही शेष संपूर्ण राशि को भी आरोपी से जुड़े विभिन्न बैंक खातों में होल्ड करा दिया गया है, जिस पर आगे वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। जांच के दौरान प्रकरण में संलिप्त मुख्य आरोपी की पहचान की गई। आरोपी घटना के पश्चात लगातार अपना स्थान बदल रहा था। उसकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम को दिल्ली एवं हरियाणा रवाना किया गया। पुलिस टीम द्वारा सतत प्रयास करते हुए मुख्य आरोपी सोमनाथ महतो को गुड़गांव, हरियाणा से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

साफहवा, हरित पर्यावरण और भविष्य की पीढ़ियों के लिए सतत प्रयास — सांसद बृजमोहन अग्रवाल

नई दिल्ली/ रायपुर :- स्वच्छ पर्यावरण, शुद्ध हवा और प्रकृति के संरक्षण को लेकर रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उनका मानना है कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य देने के लिए पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

इसी क्रम में सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने सोमवार को लोकसभा में ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम (जीसीपी) के अंतर्गत पर्यावरण को और बेहतर करने के लिए कार्बन को कम करने वाले पौधों को लगाने का मुद्दा उठाया। श्री अग्रवाल के प्रश्न के जवाब में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण और वन पुनर्स्थापन को बढ़ावा देने के लिए देश के विभिन्न राज्यों में अवक्रमित वन क्षेत्रों का चयन किया गया है। ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम (जीसीपी) में समूचे देश में 4391 हेक्टेयर क्षेत्र में पौधरोपण किया जा रहा है। प्रोग्राम में छत्तीसगढ़ में 536 हेक्टेयर भूमि में वन उगाये जा रहे हैं। गुजरात में सबसे ज्यादा 975 हेक्टेयर भूमि में और मध्यप्रदेश में 640 हेक्टेयर क्षेत्र में कार्बन को कम करने वाले पौधों को लगाया जा रहा है। मंत्री ने बताया कि कार्बन को कम करने वाले पौधों की दीर्घकाल तक जीवित रहने की निगरानी करने और यह सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे इलाके के 40त्न कैनोपी घनत्व पर बाकायदा ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम (जीसीपी) के अंतर्गत स्थापित पारिस्थितिक लक्षण को प्राप्त करने के लिए विभिन्न क्रेडिट

कार्ड भी जारी किए जाते हैं। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की भी जिम्मेदारी है। ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम के माध्यम से वृक्षारोपण और वन पुनर्स्थापन के कार्यों को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे वातावरण में हरियाली बढ़ेगी और लोगों को स्वच्छ व शुद्ध हवा मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप दिया जा रहा है। ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से सरकारी और निजी संस्थाओं की भागीदारी से पर्यावरण के अनुकूल गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने विश्वास व्यक्त किया कि इस कार्यक्रम से न केवल वन क्षेत्रों का संरक्षण होगा बल्कि कार्बन फुटप्रिंट में कमी आएगी, जल स्रोतों का संरक्षण होगा और स्थानीय समुदायों को भी रोजगार व आजीविका के नए अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि उनका निरंतर प्रयास रहेगा कि रायपुर लोकसभा सहित पूरे छत्तीसगढ़ के विकास, पर्यावरण संरक्षण और जनहित से जुड़े विषयों को संसद में मजबूती से उठाया जाए, ताकि प्रदेश को केंद्र सरकार की योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके।

प्रदेश में आधुनिक स्वास्थ्य क्रांति की पहल: सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने की शासकीय अस्पतालों में रोबोटिक सर्जरी सिस्टम स्थापित करने की मांग-मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री को लिखा पत्र

रायपुर :- छत्तीसगढ़ के नागरिकों को बेहतर और समयबद्ध स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ के प्रमुख शासकीय अस्पतालों एवं मेडिकल कॉलेजों में रोबोटिक सर्जरी सिस्टम की स्थापना की मांग की है। अपने पत्र में सांसद श्री अग्रवाल ने कहा है कि प्रदेश की बड़ी आबादी आज भी अपने उपचार के लिए शासकीय अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों पर ही निर्भर है। गरीब, श्रमिक, किसान, निम्न एवं मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए यही संस्थान स्वास्थ्य सेवाओं का सबसे बड़ा आधार हैं। किंतु वर्तमान समय में अधिकांश शासकीय अस्पतालों में सर्जरी के लिए मरीजों की लंबी प्रतीक्षा सूची एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। सीमित संसाधन, विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी और एक ऑपरेशन में लगने वाले अधिक समय के कारण मरीजों को कई-कई महीनों तक अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि एक जनप्रतिनिधि के रूप में जब वे क्षेत्र के लोगों से मिलते हैं, तो अनेक परिवारों की पीड़ा सामने आती है। ऑपरेशन की तारीख के लिए लंबी प्रतीक्षा के कारण कई मरीजों की बीमारी और अधिक जटिल हो जाती है। वहीं निजी अस्पतालों में सर्जरी का अत्यधिक खर्च गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए भारी आर्थिक संकट खड़ा कर देता है। कई परिवार अपनी जीवनभर की जमा पूंजी खर्च कर देते हैं, गहने बेचने पड़ते हैं और कई बार जमीन-जायदाद तक गिरवी रखनी पड़ती है।

सांसद श्री अग्रवाल ने अपने पत्र में सुझाव दिया है कि प्रदेश के प्रमुख शासकीय चिकित्सा संस्थानों जैसे मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल रायपुर, डीकेएस सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल रायपुर सहित सभी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में रोबोटिक सर्जरी सिस्टम स्थापित किया जाए। उन्होंने बताया कि चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में रोबोटिक सर्जरी तकनीक एक क्रांतिकारी परिवर्तन के रूप में सामने आई है और देश के अनेक अग्रणी चिकित्सा संस्थानों में इसका सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि रोबोटिक सर्जरी के माध्यम से जटिल से जटिल ऑपरेशन अत्यधिक सटीकता और कम समय में किए जा सकते हैं, जिससे एक दिन में अधिक संख्या में सर्जरी संभव हो सकेगी और अस्पतालों में लंबित मामलों की संख्या तेजी से कम की जा सकेगी। इसके साथ ही इस तकनीक में छोटे चीरे के कारण मरीज को कम दर्द होता है, घाव जल्दी भरता है और अस्पताल में भर्ती रहने की अवधि भी कम हो जाती है।

डिजिटल दौर में बदली तस्वीर: फैंसी स्टोर से प्रीति यादव बनीं नई पीढ़ी की आत्मनिर्भर उद्यमी

रायपुर। आज के आधुनिक और तेजी से बदलते दौर में जहां डिजिटल तकनीक और आत्मनिर्भरता सफलता की नई परिभाषा बन चुके हैं, वहीं विकासखंड भरतपुर के ग्राम पंचायत तिलौली की श्रीमती प्रीति यादव ने अपने हौसले और समझदारी से इस बदलाव को अवसर में बदल दिया है। उन्होंने यह साबित कर दिया कि यदि सोच आधुनिक हो और इरादे मजबूत हों, तो गांव में रहकर भी सफलता की नई ऊंचाइयों को छुआ जा सकता है। एक साधारण परिवार से आने वाली प्रीति यादव के सामने भी आर्थिक चुनौतियां थीं, लेकिन उन्होंने परिस्थितियों से हार मानने के बजाय खुद को बदलते समय के साथ ढालने का फैसला किया। उन्होंने दुर्गा महिला स्व सहायता समूह से जुड़कर न केवल आर्थिक सहयोग प्राप्त किया, बल्कि आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की नई दिशा भी हासिल की। समूह से मिले 60 हजार रुपये के ऋण का उपयोग करते हुए प्रीति ने अपने गांव में चूड़ी, कॉस्मेटिक्स और फैंसी आइटम का स्टोर शुरू किया।

12 घंटे के भीतर तीन आरोपी हिरासत में

हत्या का प्रयास समेत अन्य संगीन धाराओं में प्रकरण दर्ज कर की जा रही कार्यवाही

रायपुर :- दिनांक 15 मार्च 2026 की रात्रि थाना सिटी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत गांधीनगर कालीबाड़ी क्षेत्र में मारपीट की घटना घटित हुई है जिसमें गांधीनगर बस्ती में आमने सामने रहने वाले पड़ोसियों क्रमशः मोहित निहाल एवं अभिषेक सोनी के मध्य पूर्व से आपसी विवाद चला आ रहा था। दिनांक 15.03.2026 को रात्रि लगभग 09:00 बजे गांधीनगर स्थित धनराज किराना दुकान के पास प्रार्थी अभिषेक सोनी अपने भाई के साथ बैठा हुआ था। इसी दौरान विक्रम बघेल, अभिषेक गुप्ता, अभिषेक बघेल उर्फ जादू, मोहित निहाल एवं उनके अन्य साथी वहाँ पहुँचे और पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज एवं विवाद करने लगे।

विवाद बढ़ने पर आरोपियों द्वारा धक्का-मुक्की एवं मारपीट की गई तथा चाकू से वार किया गया, जिससे प्रार्थी अभिषेक सोनी, उसके साथी समीर बघेल तथा बीच-बचाव

करने आई उसकी बहन गुड्डी बघेल को हाथ में चोटें आई हैं। सभी घायलों की स्थिति सामान्य है।

घटना के संबंध में थाना सिटी कोतवाली में आरोपियों के विरुद्ध धारा 296, 115(2), 351(2), 109(1) एवं 3(5) भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी सेंट्रल जोन और डीसीपी क्राइम के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट (ACCU) एवं थाना सिटी कोतवाली रायपुर की संयुक्त टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए 12 घंटे के भीतर तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। फिलहाल हिरासत में लिए गए आरोपियों से पूछताछ कर साक्ष्य संकलित किए जा रहे हैं तथा अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में कालीबाड़ी क्षेत्र अंतर्गत नेहरू नगर एवं गांधी नगर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले तत्वों के विरुद्ध भी लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। पूर्व में गांधीनगर क्षेत्र के कुख्यात मादक पदार्थ तस्कर रवि साहू, अनिल जुल्फेकार, संजय जुल्फेकार तथा उनके अन्य साथियों सहित कुल 06 आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण में न्यायालय द्वारा 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 01-01 लाख रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया है। वहीं हाल ही में 26 फरवरी 2026 को कालीबाड़ी क्षेत्र के नेहरू नगर बस्ती के कुख्यात तस्कर मुकेश बानिया एवं उसके गिरोह के सदस्यों के विरुद्ध भी थाना कोतवाली पुलिस एवं क्राइम यूनिट द्वारा संयुक्त कार्रवाई करते हुए हथियार एवं मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार कर उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

विधायक का आरोप-गोदावरी प्लांट ने वन भूमि को उजाड़ा..

के पास सूरक्षित है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि विधायक यहां पहली बार चुनकर आई हैं। उनका प्रश्न ही बदल गया। प्रश्न के इस तरह बदल जाने में विभाग की बड़ी भूमिका रही है। मंत्री केदार कश्यप ने बघेल के इस कथन पर आपत्ति की। चातुरी नंद ने कहा कि प्रश्न बदल दिया गया है। मूल प्रश्न मेरे पास यहां पर मौजूद है। बघेल ने कहा कि विधायक जो कह रही हैं उसकी जांच कराएं। सही पाया गया तो आधे घंटे की अलग से चर्चा करा लें। चातुरी नंद ने कहा कि गोदावरी सोलर प्लांट का बचाव करने की कोशिश की जा रही है। वहां डेढ़ माह से अनिश्चितकालीन हड़ताल चल रही है। वन भूमि को उजाड़ने वाले प्लांट के खिलाफक्या कानूनी कार्यवाही की जाएगी? क्या गोदावरी प्लांट का अतिक्रमण हटाया जाएगा? मंत्री ने कहा कि जमीन पहले संयंत्र को मिली हुई है। वन विभाग का कोई रोल नहीं है। चातुरी नंद ने फिर दोहराया कि मेरे पास दस्तावेज है। तत्पश्चात् मंत्री की ओर से सही जवाब नहीं आने का आरोप लगाते हुए विपक्षी कांग्रेस विधायकगण सरकार के खिलाफनारेबाजी करते हुए सदन से वाक आउट कर गए।

अवैध प्लाटिंग वालों को मंत्री का संरक्षण मिलने का आरोप

कितनों के खिलाफकार्यवाही हुई है? धमतरी जिले में पटवारी को निलंबित किए तो क्या उसे आरोप पत्र दे दिया गया? नहीं देने वाली स्थिति में फिर बहाल होने में समय नहीं लगता। मंत्री ने कहा कि तत्काल में पूरे प्रदेश की जानकारी देना संभव नहीं है। धमतरी जिले में 3 पटवारी तत्काल प्रभाव से निलंबित किए गए। 1 की वेतन वृद्धि रोकी गई। 5 पटवारियों का दूसरे क्षेत्रों में स्थानांतरण किया गया है। कांग्रेस विधायक ओंकार साहू ने कहा कि आपके लिखित उत्तर में कार्यवाही के नाम पर जवाब निरंक आया है और यहां बता रहे हैं कि कार्यवाही हुई। आप तो हमारे धमतरी जिले के प्रभारी मंत्री भी हैं। आपने कहा था कि साथ चलकर भौतिक सत्यापन करेंगे, लेकिन आपने समय ही नहीं दिया। मंत्री ने कहा कि भौतिक सत्यापन का काम तहसीलदार करेंगे। ओंकार शाह ने कहा कि धमतरी में जहां अवैध प्लाटिंग हो रही वहां लाइट-पानी जैसी सुविधा नहीं है। दलाल जमीन बेचकर निकल जाते हैं। अवैध प्लाटिंग करने वालों के खिलाफक्या कार्यवाही होगी? मंत्री ने कहा कि धमतरी के गोकुल नगर में कार्यवाही हुई। धमतरी से लगे ग्रामीण क्षेत्रों की बात करें तो डिमार, श्यामतराई, रुद्री समेत अन्य ग्रामों में अवैध कॉलोनी की शिकायत मिलने पर कार्यवाही की गई। भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि विकृत शहरीकरण बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। यह बता दिया जाता है कि एसआईआर चलते रहने के कारण कार्यवाही प्रभावित हुई है। बता दें कि अवैध कॉलोनियां कब बनीं और एसआईआर कब शुरु हुआ? भूपेश बघेल ने कहा कि मंत्री का धमतरी को लेकर अलग उत्तर है और कांकेर को लेकर अलग। गोल-मोल जवाब आया है। क्या इसकी विधानसभा की समिति से जांच कराएंगे? मंत्री ने फिर कहा कि राजस्व विभाग सक्षम है। भूपेश बघेल ने आरोप लगाते हुए कहा कि अवैध कॉलोनियों से जुड़े कामों को मंत्री का संरक्षण मिल रहा है। इसके विरोध में सदन से वाक आउट करते हैं। इसके साथ ही सारे कांग्रेस विधायक सरकार के खिलाफनारेबाजी करते हुए सदन से वाक आउट कर गए।

आई.आई.टी., आई.आई.एम., एन.आई.टी., नार्म जैसे राष्ट्रीय संस्थानों के विशेषज्ञ दे रहे हैं प्रशिक्षण

कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभावी उपयोग से बदलेगी तस्वीर

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में शिक्षण एवं अनुसंधान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। कृषि महाविद्यालय रायपुर में 16 से 20 मार्च तक आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की विभिन्न प्रविधियों एवं उपकरणों का प्रभावी उपयोग कर इन क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने के गुर सिखाये जा रहे हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 17 महाविद्यालयों के प्राध्यापक एवं वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में आई.आई.टी. भिलाई, आई.आई.आई.टी. नया रायपुर, एन.आई.टी. रायपुर, आई. आई. एम. रायपुर, हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी नया रायपुर, गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर, आई.सी.ए.आर. - नार्म हैदराबाद तथा आई.सी.ए.आर - एन.आई.बी.एस.एम. बरोण्डा जैसे राष्ट्रीय संस्थानों के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को कृषि शिक्षा अनुसंधान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की विभिन्न टेकनिक्स एवं टूल्स के प्रभावी उपयोग के बारे में मार्गदर्शन दिया जा रहा है। इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ इदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.), भिलाई के निदेशक डॉ. राजीव प्रकाश तथा आई.सी.ए.आर.-राष्ट्रीय जैविक तनाव

प्रबंधन संस्थान (एन.आई.बी.एस.एम.) बरोण्डा के निदेशक डॉ. पी.के. राय ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. कपिलदेव दीपक सहित कृषि विश्वविद्यालय के निदेशकगण तथा विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठातागण उपस्थित थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि विगत कुछ वर्षों में हमारे जीवन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग निरंतर बढ़ता जा रहा है और अब यह हमारी सामान्य दिनचर्या का एक हिस्सा बन गया है। उन्होंने कहा विशेषकर उच्च शिक्षा अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी विकास में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने अहम योगदान दिया है।

यह शिक्षण, शोध और अकादमिक कार्यों को अधिक प्रभावी बना रही है। डॉ. चंदेल ने कहा कि कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। कृषि शिक्षा जैसे पेशेवर क्षेत्रों में ए आई का उपयोग शिक्षण गुणवत्ता, नवाचार और शोध को बेहतर बनाने के लिए अनिवार्य हो गया है। उन्होंने कहा कि इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को पाठ योजना निर्माण, पाठ्य सामग्री निर्माण, मूल्यांकन आदि शिक्षण संबंधी कार्यों तथा शोध लेखन, साहित्य समीक्षा, संदर्भ प्रबंधन आदि शोध संबंधी कार्यों के संबंध में विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

संपादकीय

भारतीय अर्थ जगत में चिंता

आरंभ में यही आस जोड़ी गई थी कि ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल की जंग छोटी अवधि वाली होगी। मगर अब इसके लंबा खिंचने की स्थिति बन गई हैं। उससे भारतीय अर्थ जगत में चिंता की लकीरें गहरा गई हैं। अनेक मुश्किलों का पहले से सामना कर रही भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने पश्चिम एशिया में छिड़े ताजा युद्ध से नई गंभीर चुनौतियां आ खड़ी हुई हैँ। ईरान के होरमुज जलडमरूमध्य बंद कर देने से युद्ध के पहले दो दिन में ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 10-12 फीसदी तक बढ़ चुकी है। नतीजतन, हर बैरल तेल की खरीद पर भारत को अधिक डॉलर खर्च करने होंगे। यह अच्छी बात है कि भारत के पास फिलहाल लगभग सवा सात सौ बिलियन डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है, जिससे वह महंगे आयात को जारी रखने की स्थिति में है। मगर आयात पर अधिक डॉलर खर्च होने का असर रुपये की कीमत पर पड़ेगा, जो पहले ही प्रति डॉलर 90 रुपये के भाव से ऊपर बना हुआ है। रुपये की कीमत गिरने के साथ आयात और महंगा होता जाएगा। इस बीच रूस से किफायती तेल खरीदना एक विकल्प है, लेकिन उससे डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन के नाराज होने और अमेरिका से चल रही व्यापार वार्ता में पेचीगियां खड़ी होने की आशंका पैदा होगी। उधर प्राकृतिक गैस की सप्लाई भी इस युद्ध के कारण प्रभावित हो सकती है। एलएनजी की दुनिया में होने वाली लगभग 20 फीसदी सप्लाई का परिवहन मार्ग होरमुज से होकर गुजरता है। एलपीजी की सप्लाई भी मुख्य रूप से खाड़ी देशों से होती है, जो इस समय ईरान के निशाने पर हैँ। इसलिए उनकी आपूर्ति बाधित होने की आशंकाएं वास्तविक हैं। ऐसा हुआ तो उर्वरक उत्पादन भी बुरी तरह प्रभावित होगा, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में उर्वरकों का भाव चढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। इस बीच पश्चिम एशिया के समुद्री मार्ग पर आशंकाओं के बादल गहरा गए हैं, जहां से अमेरिका और यूरोप को होने वाले भारतीय निर्यात का बहुत बड़ा हिस्सा गुजरता है। कुछ खबरों के मुताबिक पहले दो दिन में ही निर्यात के कई ऑर्डर स्थगित कर दिए गए हैँ। आरंभ में यही आस जोड़ी गई थी कि ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल की जंग छोटी अवधि वाली होगी। मगर अब इसके लंबा खिंचने की स्थिति बन गई हैं। नतीजतन, अर्थ जगत में चिंता की लकीरें गहरा गई हैं।

बालेन शाह होंगे नेपाल के प्रधानमंत्री

डॉ. सुधीर सक्सेना

नेपाल में संसदीय चुनाव के प्रारंभिक परिणामों और रूझानों से स्पष्ट है कि राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के मुखिया बालेंद्र शाह नेपाल के प्रधानमंत्री होंगे। इस चुनाव में नेपाल के मतदाताओं ने अदभुत परिपक्वता और परिवर्तन की मानसिकता का परिचय दिया है। बीत वर्ष की बात है कि नेपाल में जेनरेशन ज़ेड के बेलगाम हिंसक आंदोलन ने ओली सरकार का तख्तापलट दिया था और देश की सियासी फिज़ा बदल दी थी। तब एक युवा चेहरा तेजी से परिदृश्य में उभरा था। यह चेहरा था बालेंद्र शाह या बालेन शाह का, जिन्हें बोलचाल में बालेन कहकर बुलाया जाता है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की स्थापना 21 जून, 2022 को पत्रकार रबी लामिद्दाने ने की थी। गत वर्ष बालेन को पीएम बनाने की मांग उठी थी, किंतु उन्होंने इसे कुबुल नहीं किया था। संप्रति, काठमांडु के महापौर बालेन के कक्ष में ग्रेटर नेपाल का नक्शा अभी भी लटका हुआ है। बालेन की उम्र ज्यादा नहीं है। यही कोई- पैंतीस वर्ष। उनका जन्म 27 अप्रैल, 1990 को हुआ। वह फिलवक्त राजधानी काठमांडू के महापौर हैं। सामान्यतः मेयर नगर निगमों के कामकाज में उलझे रहते हैं, लेकिन बालेन का पिंड अलग है। उन्होंने अपनी आक्रामक और तुर्श राजनीति से सारे देश का ध्यान आकृष्ट किया है और आंदोलन की धुरी बनकर उभरे हैं। सोशल मीडिया पर वह खासे लोकप्रिय हैं। उनके लाखों फालोअर्स हैं। नेपाली युवाओं के वह आईकॉन या रोल मॉडल हैं। यह अकारण नहीं है कि सन 2023 में 'टाइम' ने उन्हें विश्व के 100 शीर्ष व्यक्तित्वों में शामिल किया। वह नेपाली रैपर, संगीतकार, इंजीनियर और राजनीतिज्ञ हैं। काठमांडू के महापौर चुने गये वह पहले निर्दलीय प्रत्याशी हैं और मुद्दों पर किसी भी अथार्टी से भिड़ने के मामले में उनका कोई सानी नहीं है। बालेन शाह काठमांडू के 15वें मेयर हैं। वह सन 2022 में ग्रीष्म में पांच वर्षों के लिए मेयर चुने गये थे। उन्होंने 10+2 की पढ़ाई बीएस निकेतन हायर सेकेंड्री स्कूल से की। हिमालयन व्हाइट हाउस इंटरनेशनल कालेज से सिविल इंजीनियरिंग में डिग्री के बाद उन्होंने भारत में कर्नाटक में स्थित विश्वेश्वरैया प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से एमटेक किया। उनके पिता आयुर्वेद चिकित्सक थे, लेकिन बालेन का मन संगीत में रमा। इसमें उन्हें खासी कामयाबी मिली। वह काठमांडू के रैप मुकाबलों में सक्रिय रहे। अपने गीतों और अदाओं से वह युवा वर्ग में लोकप्रिय सितारा बनकर उभरे। यह लोकप्रियता उनका जंपिंग बोर्ड साबित हुई और अराजनीतिक पृष्ठभूमि के बावजूद वह बत्तीस की उम्र में काठमांडू के मेयर चुन लिए गये। दिलचस्प बात है कि वह संगीत की दुनिया में अभी भी सक्रिय हैं। मेयर चुने जाने तक वह नेपाली हिपहॉप उद्योग में एक दहाई बिता चुके थे। नेवार के मधेशी बौद्ध परिवार में जनमे बालेन की पत्नी सबीना काफले सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारी हैं। बालेन के सुर्खियों में उभरने का क्रम उनके मेयर बनने के बाद शुरू हुआ। उन्होंने नागरिक सुविधाओं, कचरा निपटान और अतिक्रमण ध्वंस पर ध्यान केंद्रित किया। उनके एजेंडे में भ्रष्टाचार और अनियतिताओं का विरोध, बौद्ध स्थलों का विकास और बेहतर परिवहन तो शामिल है ही, वह वृहत्तर नेपाल के भी समर्थक हैं। वाम विचारों के बालेन के सन 2023 में अपने दफ्तर में ग्रेटर नेपाल का नक्शा टांगने पर व्यापक प्रतिक्रिया हुई थी। बेजा कब्जा हटाने के फेर में वह निजी व्यापारियों, उड्डयन अभिकरण और पुलिस प्रशासन से टकरा चुके हैं और अदालती झमेलों में भी उलझे, लेकिन उन्होंने घुटने नहीं टेके और फैसलों पर अडिग रहे। इससे उन्होंने लोकप्रियता बटोरी। उन्होंने अवैध निर्माणों को तो तोड़ा ही, पुलिस के अवैध सब-स्टेशनों को भी नहीं बख्शा। वह भारत के प्रति तल्ख हैं और पूर्वोत्तर भारत के भूभाग वापस नेपाल में चाहते हैं। एक दफा उन्होंने राजधानी की सीमा में भारतीय फिल्मों की स्क्रीनिंग पर प्रतिबंध लगा दिया था।

ममता को नहीं है देश की संवैधानिक संस्थाओं की परवाह

योगेंद्र योगी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी देश में लोकतांत्रिक सरकारों का अजीब इतिहास लिखने में जुटी हैं। पश्चिम बंगाल सहित देश के कई राज्यों में गैरभाजपा सरकारें हैं, किन्तु देश के संवैधानिक संस्थाओं और केंद्र सरकार के साथ जिस तरह का रवैया मुख्यमंत्री बनर्जी अपना रही हैं, उससे लगता यही है कि उन्होंने तय कर रखा है कि मुद्दा चाहे जैसा भी हो हर हाल में टकराना है। ममता की इस टकराहट से केंद्र सरकार के साथ रिश्ते कटु होते जा रहे हैं, साथ ही देश के लोकतंत्र को नुकसान पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री बनर्जी के तौर—तरीकों से लगता यही है कि उन्हें शीर्ष अदालत के आदेशों की भी परवाह नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में एसआईआर के लिए झारखंड और ओडिसा के जिला न्यायालय के न्यायिक अधिकारियों को लगाया है, ताकि इस कार्रवाई में किसी भी पक्ष द्वारा पक्षपात का आरोप नहीं लगे। इसके बावजूद ममता सरकार हस्तक्षेप से बाज नहीं आ रही है।

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार कोलकाता पहुंचे, उनके खिलाफजमकर नारेबाजी की गई। साथ ही उनके विरोध में काले झंडे भी लहराए गए। मुख्य चुनाव आयुक्त कोलकाता के प्रसिद्ध कालीघाट मंदिर पहुंचे थे, वहां भी उनका विरोध किया गया। प्रदर्शनकारियों ने 'वापस जाओ' के नारे लगाए। कोलकाता में करीब तीन जगहों पर विरोध प्रदर्शनों का सामना किया। विरोध प्रदर्शनों के बीच ज्ञानेश कुमार ने चुनावी राज्य में लाखों बंगाली भाषी नागरिकों का दिल जीतने की कोशिश की। देश में इससे पहले ऐसा रवैया किसी भी राज्य की सरकार ने चुनाव आयोग के साथ नहीं अपनाया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार अगले दो महीनों में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा के लिए वहां पहुंचे। सीएम ममता बनर्जी और अन्य टीएमसी नेता चुनाव आयोग पर एसआईआर के बाद मतदाता सूची से वोटर्स के नाम हटाने का आरोप लगाते हुए तीन दिन तक धरना दिया।

पश्चिम बंगाल इस तरह की हरकतें तब हो रही हैं, जब सुप्रीम कोर्ट न्यायिक निगरानी में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को अंजाम देने में जुटा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ममता सरकार के प्रति नाराजगी तक जाहिर कर चुका है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री

ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं की ओर से दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को चुनौती दी गई। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को बार-बार कोर्ट न आने की सलाह दी थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने नाराज़ होकर पूछा, 'क्या सुप्रीम कोर्ट के पास पश्चिम बंगाल के एसआईआर के अलावा सुनने के लिए कुछ और नहीं है?

इससे पहले भी पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से नाम हटाने से जुड़े मामलों की सुनवाई में मुख्य न्यायाधीश ने राज्य सरकार को फटकार लगाई थी। उन?होंने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सभी पक्षों को चेताया और कहा कि न्यायिक अधिकारियों पर सवाल उठाने की हिम्मत न करें। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा था कि हमें पता था कि जैसे ही न्यायिक अधिकारियों को नियुक्त किया जाएगा, आप लोग पीछे हट जाएंगे। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने हमें बताया कि 10 लाख मामलों का निपटारा हो चुका है। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी से मुख्य न्यायाधीश ने कहा था कि ऐसे आवेदन दाखिल करने की हिम्मत कैसे हुई?

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि आपका आवेदन समय से पहले दायर किया गया है और इससे ऐसा लगता है कि आपको न्यायिक अधिकारियों पर भरोसा नहीं है। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी ने अदालत को बताया कि करीब 7 लाख दावों का निपटारा न्यायिक अधिकारियों द्वारा किया जा चुका है, जबकि पहले 63 लाख दावे विचाराधीन थे और अब करीब 57 लाख मामले शेष हैं। इस पर वरिष्ठ वकील गुरुस्वामी ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार न्यायिक अधिकारियों पर सवाल नहीं उठा रही है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हो सकता है कि आपने सीधे तौर पर सवाल न उठाया हो, लेकिन आवेदन में सवाल उठते दिखते हैं। मुख्य न्यायाधीश के रूप में मैं इसे सहन नहीं करूंगा।

मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत ने कहा कि अदालत को विश्वास है कि न्यायिक अधिकारी अपना काम ठीक से कर रहे हैं, लेकिन अतिरिक्त सावधानी के तौर पर राज्य सरकार को निर्देश दिया जाता है कि वह न्यायिक अधिकारियों के काम के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराए। चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी अनिवार्य कदम ऐसा न उठाया जाए जो इस प्रक्रिया को बाधित करे, जब तक कि उसे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की अनुमति न मिल जाए। अदालत ने अपील की व्यवस्था पर भी स्पष्ट किया कि न्यायिक अधिकारी के फैसले के खिलाफ किसी प्रशासनिक निकाय के समक्ष अपील नहीं होगा। इसके बजाय संबंधित हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश दो पूर्व हाईकोर्ट जज या मौजूदा हाईकोर्ट जजों की बेंच गठित कर सकते हैं, जो इन अपीलों पर सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि अधिकारियों को सभी जरूरी सुविधाएं दी जाएं। कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग कोई भी ऐसा नियम लागू नहीं करेगा जिससे परेशानी हो।

अदालत की निगरानी में मतदाता सूची की पूरी प्रक्रिया संचालित होने के बावजूद ममता सरकार और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस चुनाव आयोग को लगातार निशाना बना रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में एसआईआर के बाद मतदाता सूची से कथित मनमानी तरीके से नाम हटाए जाने के विरोध में चौथे दिन के धरने के दौरान भाषण दिया। ममता ने कोलकाता में एक बैठक के दौरान पश्चिम बंगाल के अधिकारियों को धमकाने का आरोप लगाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार पर आरोप लगाया और कहा कि वह सुपरमैन और सुपर गॉड की तरह व्यवहार कर रहे हैं। सुश्री बनर्जी ने दावा किया कि श्री कुमार ने अधिकारियों को चेतावनी दी थी कि मई में विधानसभा चुनाव के बाद भी उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होने कहा कि पश्चिम बंगाल के अधिकारियों को धमकियां दी गई हैं। साहस होना अच्छी बात है, लेकिन झूठी बहादुरी नहीं।

अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार ने कथित तौर पर कहा कि चुनाव से पहले कानून और व्यवस्था बनाए रखने में किसी भी प्रकार की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी, और यदि अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का ठीक से निर्वहन करने में विफल रहते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। धरने से तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा को चुनौती देते हुए कहा कि निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव के हित में भगवा पार्टी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जिन मतदाताओं के नाम अंतिम मतदाता सूची में हैं, उन्हें मतदान करने की अनुमति दी जाए। मुख्यमंत्री ने पार्टी सदस्यों से कहा कि वे भाजपा कार्यकर्ताओं को पकड़ें और विरोध स्थल के पास कथित तौर पर पर्चे बांटने के आरोप में उनके खिलाफएफआईआर दर्ज करें। चुनाव जीतने के इन पैतरों से जाहिर है कि संविधान के तहत देश के लोकतांत्रिक ढांचे में ममता सरकार का यकीन नहीं रह गया है। चुनाव अन्य राज्यों में पहले भी हुए हैं और आगे भी होंगे, किन्तु कूननी मामलों में ममता बनर्जी जैसा विरोध किसी ने नहीं किया।

युध्द शुरू करना आसान, खत्म करना बहुत मुश्किल

सुनील दास

पृथ्वी पर मानव समाज के इतिहास का एक बड़ा हिस्सा युध्दों का रहा है। दुनिया में अक्सर कहीं न कहीं युध्द होते रहते हैं,हिंसा की गतिविधियां होती रहती हैं। इसलिए कहा जाता है कि हर शांति का काल किसी न किसी युध्द की तैयारी का होता है।शांति के समय कहीं न कहीं युध्द की तैयारी होती रहती है और जैसे ही युध्द होता है और दुनिया के देश प्रभावित होते हैं तो सब शांति की कामना करने लगते हैं। विश्व में बहुत सारे देश हैं और हर दस बीस साल में किसी न किसी देश में ऐसा नेता पैदा हो जाता है जो युध्द का कारण होता है या बन जाता है।युध्द चाहने वाला नेता पैदा होता है तो फिर उस देश को युध्द के लिए किसी बहाने की जरूरत होती है।यूक्रेन,ईरान,अमरीका,इजराइल,रूस आदि को युध्द के लिए एक बहाने की जरूरत थी।

यूक्रेन की नाटों की सदस्यता के नाम पर रूस व यूक्रेन के बीच शुरू हुआ युध्द चल ही रहा है। इसे रोकने के कई प्रयास किए गए लेकिन यह युध्द किसी भी तरह के प्रयास से

रूका नहीं है। माना जाता है कि रूस को युध्द में उलझा कर कमजोर करने के लिए ही यह युध्द शुरू किया गया। लेकिन रूस न तो कमजोर हुआ और न ही अमरीका का सामने झुका है। मिडिल ईस्ट में शांति थी, यह शांति ईरान को अच्छी नहीं लगी। बहुत सारे देश शांति से विकास चाहते थे, वह इसके लिए अपने संबंधो को सुधारने का प्रयास कर रहे थे।यह ईरान का पसंद नहीं आया और उसने अपने पाले हुए आतंकवादी संगठन को इजराइल पर हमला के लिए उकसा दिया। मिडिल ईस्ट आज युध्द की आग में झुलस रहा है तो उसके लिए ईरान व हमास दोषी हैं। पूरी दुनिया युध्द से प्रभावित है तो इसके लिए ईरान दोषी है।

यूक्रेन व ईरान की एक गलती से युध्द तो शुरू हो गया लेकिन यह कड़वी सच्चाई है कि युध्द शुरू करना तो आसान होता है लेकिन उसे खत्म करना आसान नहीं होता है।यूक्रेन चाहता है युध्द समाप्त हो जाए, रूस भी चाहता है कि युध्द खत्म होना चाहिए। इसके लिए बातचीत होती रहती है लेकिन युध्द जारी है। अब जब ईरान,इजराइल व अमरीका के बीच युध्द दस दिन से ज्यादा हो गए हैं। अमरीका के राष्ट्रपति ट्रंप कहते है कि युध्द जल्द समाप्त हो जाएगा लेकिन इजराइल कहता है कि उसका मिशन अभी पूरा नहीं हुआ है।वही ईरान की तरफ से कहा गया है कि जंग कब खत्म होगी यह हम तय करेंगे। यानी ट्रंप भले ही खुद को देशों के बीच युध्द रुकवाने वाले नेता माने लेकिन ईरान के साथ जो युध्द चल रहा है उसे ट्रंप चाहें तो भी नहीं रुकने वाला है क्योंकि ईरान ने ऐसी शर्तें रख दी हैं कि ट्रंप के लिए मानना मुश्किल है।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने युध्द समाप्त करने के लिए तीन शर्तें रखीं हैं। पहली शर्त है कि इजराइल व अमरीका को ईरान के अधिकारों को मान्यता देनी होगी। दूसरा युध्द में हुए नुकसान की भरपाई करनी होगी, तीसरा भविष्य में किसी भी हमले के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय गारंटी देनी होगी।वही सुप्रीम लीडर खामनेई ने कहा है कि अमरीकी हमले में मारी गई स्कूली बच्चियों और अनूय शहीदों के खून का बदला लिए बिना ईरान पीछे नही हटेगा।अमरीकी सैन्य अड्डो पर हमले और तेज किए जाएंगे।युध्द के ऐसे नए मोर्चे खोले जाएंगे जिसकी दुश्मनों ने कल्पना नहीं की होगी। होर्मुज को बंद रखने की रणनीति जारी रहेगी। ईरान के इस तेवर से साफ जाहिर है कि उसे युध्द को जारी रखने के लिए रूस व चीन से मदद मिल रही है।यानी अमरीका अब युध्द से निकलना चाहता है लेकिन अब चीन व रूस उसे ईरान युध्द में उलझाए रखना चाहते हैं। यानी तीन बड़े देशों अमरीका,चीन व रूस के कारण दुनिया में जहां जहां युध्द चल रहा है वह चलता रहेगा।दुनिया के बहुत सारे देश इससे कई तरह से प्रभावित रहेंगे।

चाहता तो चीन यह भी था कि भारत भी पाकिस्तान के साथ युध्द में लंबे समय के लिए उलझा रहे। भारत ने आपरेशन सिंदूर के रूप में जब पाकिस्तान स्थित आतंकियों के ठिकानों को नष्ट करने का लक्ष्य तय किया था तो उसका लक्ष्य साफ था,उसकी पूरी तैयारी की।उसे यह भी मालूम था कि यह काम कितने समय में पूरा हो जाएगा और पाकिस्तान ने यदि जवाबी हमला किया तो क्या करना है और कैसे करना है। भारत ने पाकिस्तान को बताकर आतंकियों के ठिकानों पर हमला किया कि यह हमला पाकिस्तान पर नहीं है। इसलिए आपरेशन सिंदूर सैन्य कार्रवाई तक सीमित रहा। पाकिस्तान ने जरूर भारत पर हमला किया और उसे ऐसा जवाब मिला कि उसे खुद ही सैन्य कार्रवाई रोकने का आग्रह करना पड़ा। इस मायने में पीएम मोदी पुतिन,ट्रंप व नेतन्याहू से बेहतर नेता साबित हुए हैं, वह जो चाहते थे किया भी और चीन जो चाहता था वह होने नहीं दिया।

तेल-गैस संकट के बीच सेंसेक्स का गिरना: क्या अर्थतंत्र में महासंकट के संकेत?

सौरभ वार्ष्णेय

वैश्विक अर्थव्यवस्था में जब भी ऊर्जा संकट गहराता है, उसका सीधा असर वित्तीय बाजारों और आम लोगों की जेब पर दिखाई देता है। हाल के दिनों में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में बढ़ोतरी तथा आपूर्ति को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के बीच भारतीय शेयर बाजार का प्रमुख सूचकांक गिरावट की ओर गया है। यह गिरावट केवल बाजार की सामान्य हलचल नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के सामने खड़े संभावित बड़े संकट का संकेत भी हो सकती है। वहीं जब मैं इस लेख को लिख रहा हूं तो सेंसेक्स और निफ्टी काफी हद तक गिर चुका है। ऐसे में सरकार के कहने के बावजूद जनमानस इस युद्ध के बीच ऊर्जा का भंडार भरकर रखना चाहता है, यह युद्ध क्या पटकथा लिखेगा कोई नहीं जानता क्योंकि रुस-युक्रेन युद्ध भी अभी तक समाप्त नहीं हुआ।

भारत जैसे देश की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयातित तेल और गैस पर निर्भर है। जब वैश्विक स्तर पर तेल-गैस की कीमतें बढ़ती हैं या आपूर्ति बाधित होती है, तो उसका असर सीधे महंगाई, उत्पादन लागत और व्यापार संतुलन पर पड़ता है। उद्योगों की लागत बढ़ती है, परिवहन महंगा होता है और अंतत: इसका बोझ आम उपभोक्ता तक पहुंचता है। निवेशकों को भी यह संकेत मिलता है कि आने वाले समय में कंपनियों के मुनाफे पर दबाव बढ़ सकता है।

शेयर बाजार का गिरना इसी चिंता का प्रतिबिंब है। निवेशक भविष्य की आशंकाओं को देखते हुए बाजार से पैसा निकालने लगते हैं। विदेशी निवेशक भी जोखिम से बचने के लिए उभरते बाजारों से पूंजी निकालते हैं, जिससे बाजार में गिरावट और तेज हो जाती है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो इसका असर निवेश, रोजगार और आर्थिक विकास की गति पर पड़ सकता है।

ऊर्जा संकट का दूसरा पहलू राजकोषीय दबाव भी है। सरकार को महंगाई नियंत्रित करने के लिए करों में कटौती, सब्सिडी या अन्य राहत उपाय देने पड़ सकते हैं। इससे सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ बढ़ता है। साथ ही यदि आयात बिल बढ़ता है तो चालू खाते का घाटा भी बढ़ सकता है, जो आर्थिक स्थिरता के लिए चुनौती बन जाता है। हालांकि यह भी सच है कि शेयर बाजार हमेशा दीर्घकालिक आर्थिक स्थिति का सटीक दर्पण नहीं होता। कई बार वैश्विक परिस्थितियों, भू-राजनीतिक तनाव या निवेशकों की मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया से भी बाजार अचानक गिर सकता है। इसलिए सेंसेक्स की गिरावट को तुरंत महा संकट मान लेना भी उचित नहीं होगा। लेकिन इसे एक चेतावनी संकेत जरूर माना जाना चाहिए।

ऐसे समय में सरकार और नीति-निर्माताओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की है। देश को तेल-गैस के आयात पर निर्भरता कम करने, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने और रणनीतिक भंडार बढ़ाने जैसी नीतियों पर तेजी से काम करना होगा। साथ ही आर्थिक सुधारों और निवेश को बढ़ावा देकर बाजार का भरोसा बनाए रखना भी जरूरी है। अंतत: कहा जा सकता है कि तेल-गैस संकट के बीच सेंसेक्स की गिरावट केवल बाजार की घटना नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के सामने खड़ी चुनौतियों की याद दिलाती है। यदि समय रहते ठोस कदम उठाए जाएं तो यह संकट अवसर में भी बदल सकता है, लेकिन अगर इसे नजरअंदाज किया गया तो इसके गंभीर आर्थिक परिणाम सामने आ सकते हैं।

निवेशक दोहरी दुविधा में- वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिस्थितियों के बीच आज निवेशक एक कठिन दौर से गुजर रहा है। बाजार में अनिश्चितता, अंतरराष्ट्रीय तनाव और महंगाई के दबाव ने निवेशकों को दोहरी दुविधा में डाल दिया है। एक ओर शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव है, वहीं दूसरी ओर सुरक्षित निवेश विकल्प भी अपेक्षित रिटर्न नहीं दे पा रहे हैं। ऐसे माहौल में यह सवाल महत्वपूर्ण हो गया है कि निवेशक अपने धन को कहाँ और कैसे सुरक्षित रखें।

हाल के समय में वैश्विक स्तर पर कई घटनाएँ आर्थिक बाजारों को प्रभावित कर रही हैं। तेल-गैस की कीमतों में अस्थिरता, अंतरराष्ट्रीय संघर्ष और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की नीतियों में बदलाव का असर भारत सहित दुनिया के शेयर बाजारों पर दिखाई दे रहा है। जब भी वैश्विक स्तर पर संकट गहराता है, निवेशक जोखिम से बचने के लिए सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख करते हैं। लेकिन वर्तमान स्थिति में सुरक्षित निवेश भी बहुत आकर्षक नहीं दिख रहा।

दूसरी ओर घरेलू स्तर पर भी निवेशकों के सामने कई सवाल खड़े हैं। महंगाई की दर में उतार-चढ़ाव, ब्याज दरों की अनिश्चितता और कंपनियों के भविष्य को लेकर आशंकाएँ निवेशकों को निर्णय लेने में कठिनाई पैदा कर रही हैं। शेयर बाजार में निवेश करने पर जोखिम अधिक है, जबकि बैंक जमा या अन्य सुरक्षित विकल्पों में रिटर्न सीमित है। यही कारण है कि निवेशक समझ नहीं पा रहे कि जोखिम उठाकर बाजार में बने रहें या सुरक्षित विकल्पों में पैसा लगाएँ।

निवेशकों की यह दुविधा केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक भी है। बाजार की अस्थिरता के कारण कई छोटे निवेशक घबराकर अपने निवेश को निकाल लेते हैं, जिससे बाजार में और अधिक गिरावट देखने को मिलती है। वहीं कुछ अनुभवी निवेशक इसे अवसर के रूप में देखते हैं और गिरते बाजार में निवेश बढ़ाते हैं।

ऐसी स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण है संतुलित और दीर्घकालिक दृष्टिकोण। विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशकों को घबराहट में निर्णय लेने के बजाय अपने निवेश को विविध क्षेत्रों में बांटना चाहिए और लंबी अवधि की रणनीति अपनानी चाहिए। इससे जोखिम कम किया जा सकता है और बाजार की अस्थिरता का प्रभाव भी सीमित किया जा सकता है।

सरकार और नियामक संस्थाओं की भी जिम्मेदारी है कि वे आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाएँ। पारदर्शी नीतियाँ, निवेश के अनुकूल वातावरण और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देकर निवेशकों का भरोसा मजबूत किया जा सकता है।

यह कहा जा सकता है कि वर्तमान समय निवेशकों के लिए परीक्षा का दौर है। दोहरी दुविधा के बीच सही निर्णय वही होगा जो धैर्य, समझ और दीर्घकालिक सोच पर आधारित हो। अगर निवेशक संतुलित रणनीति अपनाते हैं, तो अस्थिर बाजार भी भविष्य के अवसरों में बदल सकता है।

तेल-गैस संकट से कैसे मिले निजात?- विश्व राजनीति और ऊर्जा बाज़ार में बढ़ती अनिश्चितता ने एक बार फिर तेल-गैस संकट की आशंका को गहरा कर दिया है। मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव, आपूर्ति में रुकावट और अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कीमतों के उतार-चढ़ाव का सीधा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देश पर पड़ता है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए जब भी वैश्विक स्तर पर संकट पैदा होता है, उसका दबाव देश की अर्थव्यवस्था, उद्योग और आम उपभोक्ता पर साफ दिखाई देता है।तेल और गैस केवल ईंधन नहीं, बल्कि आधुनिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। परिवहन, बिजली उत्पादन, उद्योग और घरेलू उपयोग—हर क्षेत्र इन पर निर्भर है। जब इनकी कीमतें बढ़ती हैं या आपूर्ति कम होती है, तो महंगाई बढ़ती है, उत्पादन लागत बढ़ती है और आर्थिक विकास की गति भी प्रभावित होती है।

क्या होती है छठी इंद्री, इसे कैसे जाग्रत किया जा सकता है

छठी इंद्री को अंग्रेजी में सिक्स्थ सेंस कहते हैं। यह क्या होती है, कहां होती है और कैसे इसे जाग्रत किया जा सकता है यह जानना भी जरूरी है। इसे जाग्रत करने के लिए वेद, उपनिषद, योग आदि हिन्दू ग्रंथों में अनेक उपाय बताए गए हैं। नास्त्रेदमस इसी तरह के उपायों से भविष्यवक्ता बने थे।

- मस्तिष्क के भीतर कपाल के नीचे एक छिद्र है, उसे ब्रह्मरंध्र कहते हैं, वहीं से सुषुम्ना नाड़ी सहस्रकार के जुड़कर रीढ़ से होती हुई मूलाधार तक गई है। इसी नाड़ी के बायीं ओर इड़ा और दायीं ओर पिंगला नाड़ी स्थित है। दोनों के बीच सुप्तावस्था में छठी इंद्री स्थित है।
- यह छठी इंद्री ही हमें हर वक्त आने वाले खतरे या भविष्य में होने वाली घटनाओं का आभास करती रहती है लेकिन कुछ लोग इसे स्पष्ट समझ लेते हैं और कुछ नहीं। यदि आप इसे समझें तो आपके साथ घटने वाली घटनाओं के प्रति ये इंद्री आपको सजग कर देगी।
- छठी इंद्री जाग्रत होने से व्यक्ति में भूत और भविष्य में झांकने की क्षमता आ जाती है। ऐसा व्यक्ति मीलों दूर बैठे व्यक्ति की बातें सुन सकता और उसे देख भी सकता है। दूसरों के मन की बात जान ही नहीं सकता बल्की उनका मन बदल भी सकता है और दूसरों की बीमारी दूर की जा सकती है।
- वैज्ञानिकों के अनुसार छठी इंद्री कल्पना नहीं, वास्तविकता है, जो हमें किसी घटित होने वाली घटना का पूर्वाभास कराती है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया के रॉन रेसिक के अनुसार छठी इंद्रिय के कारण ही हमें भविष्य में होने वाली घटनाओं का पूर्वाभास होता है।
- छठी इंद्री को जाग्रत करने का बहुत ही सरल तरीका है। तीन माह के लिए खुद को परिवार और दुनिया से काटकर आपको योग की शरण में जाना होगा। यम, नियम, प्राणायम और योगासन करते हुए लगातार ध्यान करना होगा।
- प्राणायाम सबसे उत्तम उपाय इसलिए माना जाता है क्योंकि हमारी दोनों भौहों के बीच छठी इंद्री होती है। सुषुम्ना नाड़ी के जाग्रत होने से ही छठी इंद्री जाग्रत हो जाती है। प्राणायम के माध्यम से छठी इंद्री को जाग्रत किया जा सकता है।
- मेस्मेरिज्म या हिप्नोटिज्म जैसी अनेक विद्याएं इस छठी इंद्री को जाग्रत करने का सरल और शॉर्टकट रास्ता है लेकिन इसके खतरे भी हैं। हिप्नोटिज्म को सम्मोहन कहते हैं। सम्मोहन विद्या को ही प्राचीन समय से 'प्राण विद्या' या 'त्रिकालविद्या' के नाम से पुकारा जाता रहा है।
- मन के कई स्तर होते हैं। उनमें से एक है सुक्ष्म शरीर से जुड़ा हुआ आदिम आत्म चेतन मन। यह मन हमें आने वाले रोग या खतरें का संकेत देकर उससे बचने के तरीके भी बताता है। इस मन को प्राणायाम या सम्मोहन से साधा जा सकता है।
- त्राटक क्रिया से भी इस छठी इंद्री को जाग्रत कर सकते हैं। आप बिना पलक गिराए किसी एक बिंदु, क्रिस्टल बॉल, मोमबत्ती या घी के दीपक की ज्योति पर देखते रहिए। इसके बाद आंखें बंद कर ध्यान करें। कुछ समय तक इसका अभ्यास करें। इससे धीरे-धीरे छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी।
- ऐसा कई बार देखा गया है कि कई लोगों ने अंतिम समय में अपनी बस, ट्रेन अथवा हवाई यात्रा को कैंसिल कर दिया और वे चमत्कारिक रूप से किसी दुर्घटना का शिकार होने से बच गए। बस यही छठी इंद्री का कमाल है। आप इसे पहचानें क्योंकि यह सभी संवेदनशील लोगों के भीतर होती है।
- यदि आपको यह आभास होता है कि पीछे कोई चल रहा है या दरवाजे पर कोई खड़ा है। कुछ होनी-अनहोनी होने वाली है या कोई खुशी का समाचार मिलने वाला है तो आप अपनी इस क्षमता पर लगातार गौर करें और ध्यान देंगे तो यह विकसित होने लगेगी। जैसे-जैसे अभ्यास गहराएगा आपकी छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी और आप भविष्यवक्ता बन जाएंगे।

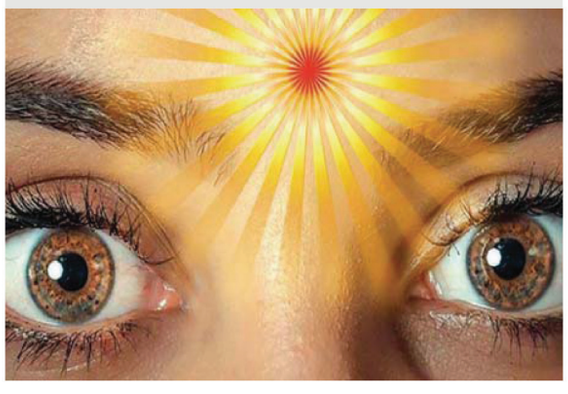

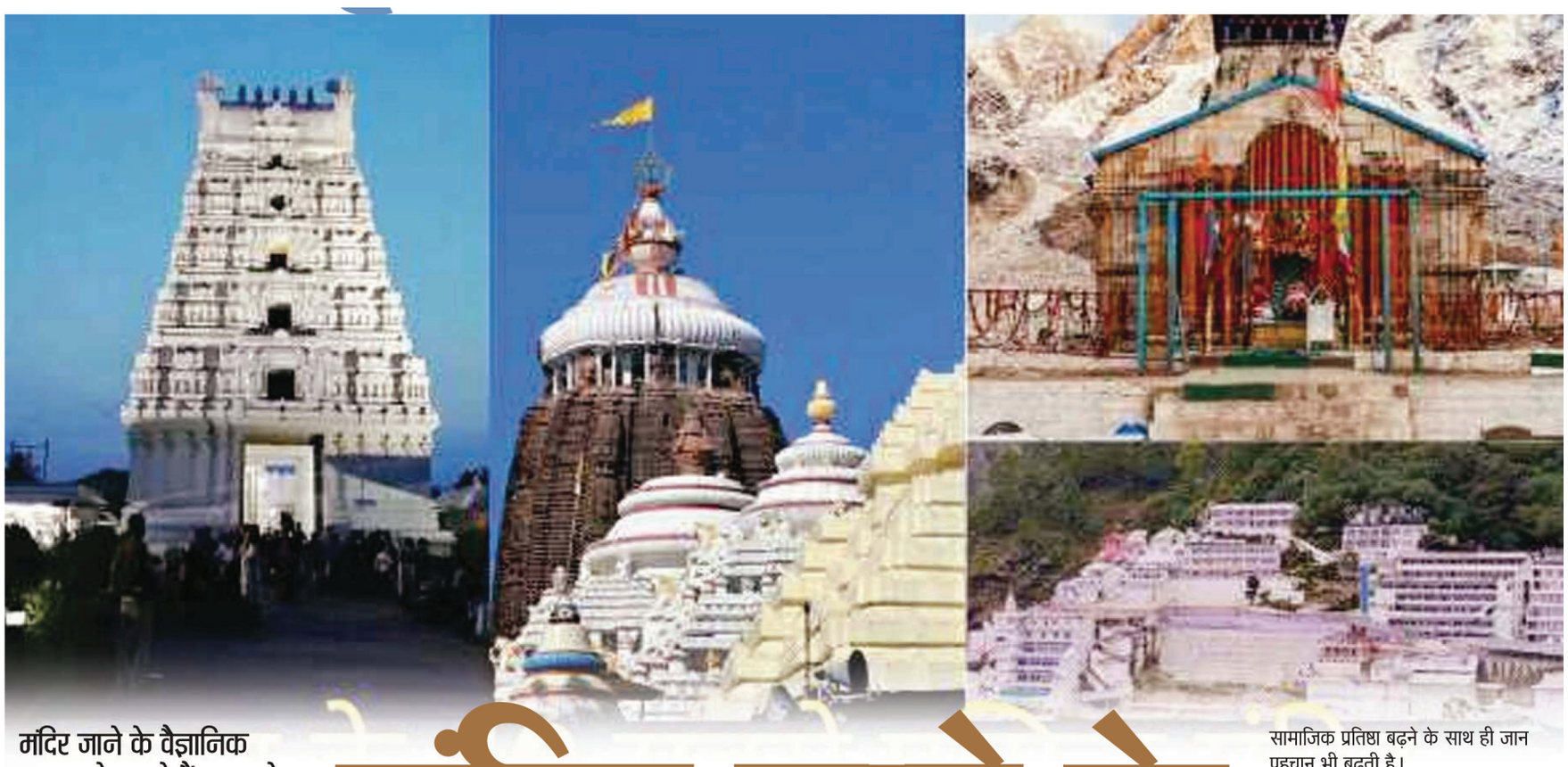

मंदिर जाने के चमत्कारिक फायदे

मंदिर जाने के वैज्ञानिक कारण हो सकते हैं। क्या होगा मंदिर जाने से देवालय, शिवालय, रामद्वारा, गुरुद्वारा, जिनालय सभी का अर्थ अलग अलग होता है। मंदिर को अंग्रेजी में टेम्पल नहीं कहते हैं। मंदिर का अर्थ होता है मन से दूर कोई स्थान। मंदिर का शाब्दिक अर्थ घर भी होता है। आओ जानते हैं मंदिर जाने के चमत्कारिक फायदे।

आकस्मिक घटना-दुर्घटना - यदि आप प्रतिदिन मंदिर जा रहे हैं तो आप अपने जीवन में आने वाली उन घटनाओं से बच सकते हैं जो कि आकस्मिक आती है जैसे दुर्घटना, हत्या, आत्महत्या जैसी नकारात्मकता आपकी जिंदगी से दूर रहेगी।

भूत-पिशाच - मंदिर जाने वाले व्यक्ति के मन में भरपूर सकारात्मकता और आध्यात्मिक बल होता है जिसके चलते उसके आस-पास नकारात्मक ऊर्जा उसके पास फटकती भी नहीं है। आप इस उर्जा को भूत, पिशाच या प्रेत भी कह सकते हैं। मंदिर जाने वाला भयमुक्त जीवन जिता है।

ग्रह बाधा - यदि आप प्रतिदिन मंदिर जाते हैं तो आप पर किसी भी प्रकार के ग्रह और नक्षत्रों का कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है। ग्रहबाधा से आप मुक्त रहते हैं। मंगल दोष, शनि या अन्य किसी ग्रह की बाधा है, साढ़े साती, अढ़ाय्या या राहु की महादशा चल रहा है तो घबराने की जरूरत नहीं।

रोग या बीमारी - मंदिर में जाकर आप मंदिर के नियमों का पालन करते हैं। व्रत, उपवास और पाठ में विश्वास करते हैं, सोच-समझकर आहार-विहार करते हैं तो आपको किसी भी प्रकार का रोग या बीमारी नहीं होगी।

दुख या शोक - मंदिर जाकर मन में विश्वास और आत्मबल का संचार होता है जिसके कारण मन में किसी भी प्रकार का दुख या शोक नहीं रहता है। व्यक्ति सभी परिस्थिति में समभाव से रहता है। समभाव अर्थात न तो भावना में बहता है और न ही कठोर होता है। हर परिस्थिति उसके लिए सामान्य होती है।

कोर्ट-कचहरी-जेल - मंदिर जाने से व्यक्ति में सही और गलत को समझने की क्षमता होती है। वह किसी भी प्रकार की फालतू लड़ाई झगड़े में नहीं पड़ता है। जैसे रास्ते में पड़े पत्थर या गड्ढे को देख लेने के बाद हम अपनी गाड़ी को उससे बचाकर निकाल ले जाते हैं उसी तरह व्यक्ति अपनी जिंदगी को समझदारी से गड्ढों से बचा ले जाता है।

तंत्र, मारण-सम्मोहन-उच्चाटन - मंदिर जाने वाले व्यक्ति का कोई शत्रु किसी बुरी विद्या के माध्यम से कुछ भी बिगाड़ नहीं सकता है। बहुत से व्यक्ति अपने कार्य या व्यवहार से लोगों को रुष्ट कर देते हैं, इससे उनके शत्रु बढ़ जाते हैं। कमजोर शत्रु हमेशा सामने की लड़ाई नहीं लड़ते हुए पीठ के पीछे ऐसे कार्य करते हैं जिनको अंधविश्वास की श्रेणी में रखा जाता है। मंदिर जाने वाले लोगों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है।

कर्ज से मुक्ति - मंदिर जाने वाले व्यक्ति के जीवन में कभी ऐसे संकट नहीं आते हैं कि वह कर्ज में डूब जाए। थोड़ा बहुत कर्ज होता है तो कोई फर्क नहीं। कर्ज भी सोच समझकर लें। यदि ज्यादा है तो उसके चुकता होने के निश्चित ही मंदिर से ही रास्ते निकलते हैं। मन मंदिर में विश्वास है तो इस बाधा व्यक्ति मुक्त हो जाता है।

नौकरी और रोजगार - आप बेरोजगार है या आपका व्यापार नहीं चल रहा है तो निश्चित ही आपको प्रतिदिन मंदिर जाना चाहिए। आपको जल्द ही सफलता मिलेगी। हालांकि जो प्रतिदिन मंदिर जाकर प्रार्थना और पूजा पाठ करता है उसके साथ यह समस्या नहीं रहती है। होती भी है तो वह दिमाग पर बोझ नहीं लेकर कर्म करता जाता है और सफल हो ही जाता है।

तनाव या चिंता - बहुत से लोगों को अनावश्यक भय और चिंता सताती रहती है जिसके कारण वे तनाव में रहने लगते हैं। तनाव में रहने की आदत भी हो जाती है जिसके चलते व्यक्ति कई तरह के रोग से भी घिर सकता है। लेकिन मंदिर जाने वाले के दिल और दिमाग में ये सब नहीं रहता है।

गृहकलह - प्रतिदिन मंदिर जाने वाले में मन और मस्तिष्क में कलह या क्रोध नहीं होता है। घर के दूसरे सदस्य यदि उससे झगड़ा करते हैं या घर में गृहकल हो रही है तो वह उसे समझदारी से हेंडल कर माहौल को खुशनुमा बना देता है।

पैदल भ्रमण - प्रातःकाल पैदल ही मंदिर जाने से व्यापार भी होता है और हमें प्राणवायु भी अच्छे से प्राप्त होती है। प्रतिदिन सूर्य की धूप के स्पर्ष से सेहत में सुधार होता है।

घंटी की ध्वनि - मंदिर में घंटी की टंकार करीब 7 सेकंड तक गूंजती है जो मन मस्तिष्क से विषाद हटाकर शांति प्रदान करती है। ऐसा भी कहते हैं कि छोटी घंटी से हमारा पित्त दोष सन्तुलित होता है। साथ ही ध्वनि से भी बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं।

फूलों की सुगंध - मंदिर में कई तरह के सुगंधित फूल अर्पित किए जाते हैं जिनकी सुगंध से मन प्रफुल्लित होकर अवसाद से मुक्ति हो जाता है। फूलों के विभिन्न रंग से अंतरमन को शांति मिलती है।

अगरबत्ती - मंदिर में कपूर और अगरबत्ती की सुगंध से एक ओर जहां मन और मस्तिष्क से नकारात्मक विचार हटा जाते हैं वहीं हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। यह हमें जैविक संक्रमण से भी बचाती है। मंदिर का सुगंधित में रहने से बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं और किसी भी प्रकार का वायरल इंफेक्शन नहीं होता है क्योंकि मंदिर में कर्पूर और धुआं होता रहता है।

आरती - जब हम मंदिर में आरती या कीर्तन के दौरान ताली बजाते हैं तो यह एक्यूप्रेशर का काम करती है। इससे हमारे रक्त संचार सुचारू रूप से संचालित होता है और शरीर की मांस पेशियां भी मजबूत होती है।

जप - आरती या चालीसा को जपने पढ़ने से हमारा वाणी दोष भी दूर होता है। ओम् के उच्चारण से हमारा चित एकाग्र होता है।

शंख - आरती के बाद शंख बजाया जाता जो श्रद्धालुओं के लिए बहुत सुखदायी और स्वास्थ्य वर्धक है। शंख बजाने वाले के फेंफड़े मजबूत होते हैं।

जयघोष - आरती के बाद देव देवताओं, भारत माता आदि के जयघोष से आत्म विश्वास के साथ ही देशभक्ति जागृत होती है। इसी के साथ हर मंदिर में गो रक्षा और गौ हत्या बंद होने करने का संकल्प भी लिया जाता है।

ज्योति - आरती लेने से हमारी हथेली की कोशिकाओं को दिव्य उष्मा मिलती है और हमारे भीतर पल रहे सभी विषाणु और जीवाणु समाप्त हो जाते हैं। आखों पर हथेलियां रखने से गर्माहट आंखों के पीछे की सुक्ष्म रक्त वाहिकाओं को खोल देती है और उन में ज्यादा रक्त प्रवाहित होने लगता है जिससे हमारी आंखों कि ज्योति बढ़ती है।

दंडवत - आरती के बाद नमस्कार और दंडवत प्रणाम करने से हमारे मन में विनम्रता और श्रद्धा का भाव जागृत होता है। अहंकार का नाश होता है।

चरणामृत - दर्शन, पूजा और आरती के बाद हमें तुलसी मिला चरणामृत, पंचामृत और प्रसाद मिलता है। यह चरणामृत और पंचामृत हमारी सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। आयुर्वेद के मुताबिक यह चरणामृत हमारे शरीर के तीनों दोषों को संतुलित रखता है। चरणामृत के साथ दी गई तुलसी हम बिना चबाए निगल लेते हैं जिससे हमारे सभी रोग ठीक हो जाते हैं।

परिक्रमा - मंदिर में भगवान की परिक्रमा से जहां सेहत के लाभ मिलते हैं वहीं यह धरती के गुरुत्वकार्षण की शक्ति से जुड़कर हमारे शरीर का तनाव निकल जाता है। इसी के साथ ही में गुंबद और उसके कलश से प्रवाहित हो रही ऊर्जा हमारे शरीर को प्रभावित कर सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करती है।

नग्न पैर - मंदिर भूमि को सकारात्मक उर्जा का क्षेत्र माना जाता है। यह ऊर्जा भक्तों में पैर के जरिए ही प्रवेश कर सकती है। इसलिए हम मंदिर के अंदर नंगे पांव जाते हैं।

मनोकामना का दोहराना - मंदिर में जाकर जब हम अपनी मनोकामना को बार बार दोहराते हैं तो हमें मंदिर की सकारात्मक ऊर्जा का साथ मिलता है और इससे प्रकृति सक्रिय होकर हमारी मनोकामना पूर्ण करने लग जाती है।

वृक्ष - हर मंदिर में पीपल, बरगद, नीम, केला और तुलसी आदि के वृक्ष रहते हैं। इन वर्षों में हम जल अर्पण करते हैं या उन्हें हम नमस्कार करते हैं। इन वृक्षों में भरपूर ऑक्सिजन के साथ ही दिव्यता होती है, जो हमारे मन और मस्तिष्क को स्वस्थ करते हैं। इससे हमारे मन में शांति आती है।

दान - मंदिर में दिए गए दान के अनेक लाभ होते हैं। दान से हममें कृपणता नहीं रहती है और हम चीजों के प्रति आसक्ति नहीं पालते हैं। इसी के साथ ही हमारे सामाजिक दायित्वों का भी निर्वाह होता है।

सामाजिक प्रतिष्ठा - मंदिर जाने से हमारी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ने के साथ ही जान पहचान भी बढती है।

तिथि त्योहार की जानकारी - मंदिर जाने से हमें पंचांग और तिज त्योहारों की जानकारी भी मिलती है।

ज्ञान बढ़ता है - मंदिर जाने से धर्मिक ज्ञान भी बढ़ता है क्योंकि वहां पर गीता, वेद, उपनिषद आदि के बारे में जानकारी भी मिलती रहती है।

हाथ जोड़ना - मंदिर में व्यक्ति हाथ जोड़कर खड़ा रहता है। हाथ जोड़ने से जहां हमारे फेंफड़ों और हृदय को लाभ मिलता है वहीं इससे प्रतिरोधक क्षमता का विकास भी होता है। कहते हैं कि हथेलियों और अंगुलियों के उन बिंदुओं पर दबाव पड़ा है जो शरीर के कई अन्य अंगों से जुड़े हैं। इससे उन अंगों में ऊर्जा का संचार होता है।

तिलक - प्रतिदिन मंदिर जाकर व्यक्ति अपने मस्तक पर या दोदों भौहों के बीच चंदन या केसर का तिलक लगाता है। इस तिलक लगाने जहां शांति का अनुभव होता है वहीं इससे एकाग्रता बढ़ती है। दरअसल जहां तिलक लगाया जाता है उसके ठीक पीछे आत्मा का निवास होता है। आज्ञाचक्र और सहस्रार चक्र के बीच के बिंदू पर आत्मा निवास करती है जोकि नीले रंग की है। आत्ता अर्थात हम खुद। चंदन लगाने के आध्यात्मिक लाभ भी हैं।

प्रार्थना - प्रार्थना में शक्ति होती है। प्रार्थना करने वाला व्यक्ति मंदिर के ईथर माध्यम से जुड़कर अपनी बात ईश्वर या देव शक्ति तक पहुंचा सकता है। देवता सुनने और देखने वाले हैं। प्रतिदिन की जा रही प्रार्थना का देवताओं पर असर होने लगता है। मानसिक या वाचिक प्रार्थना की ध्वनि आकाश में चली जाती है। प्रार्थना के साथ यदि आपका मन सच्चा और निर्दोष है तो जल्द ही सुनवाई होगी और यदि आप धर्म के मार्ग पर नहीं हैं तो प्रकृति ही आपकी प्रार्थना सुनेगी देवता नहीं। प्रार्थना का दूसरा पहलू यह कि प्रार्थना करने से मन में विश्वास और सकारात्मक भाव जाग्रत होते हैं, जो जीवन के विकास और सफलता के अत्यंत जरूरी हैं।

पूजा - पूजा एक रासायनिक क्रिया है। इससे मंदिर के भीतर वातावरण की पीएच वैल्यू (तरल पदार्थ नापने की इकाई) कम हो जाती है जिससे व्यक्ति की पीएच वैल्यू पर असर पड़ता है। यह आयनिक क्रिया है, जो शारीरिक रसायन को बदल देती है। यह क्रिया बीमारियों को ठीक करने में सहायक होती है। दवाइयों से भी यही क्रिया कराई जाती है, जो मंदिर जाने से होती है।

आचमन - मंदिर में प्रवेश से पूर्व शरीर और इंद्रियों को जल से शुद्ध करने के बाद आचमन करना जरूरी है। इस शुद्ध करने की प्रक्रिया को ही आचमन कहते हैं। आचमन करने से पहले अंगुलियां मिलाकर एकाग्रचित्त यानी एकसाथ करके पवित्र जल से बिना शब्द किए 3 बार आचमन करने से महान फल मिलता है। आचमन हमेशा 3 बार करना चाहिए। आचमन से मन और शरीर शुद्ध होता है।

मंदिर का शिखर - मंदिर में शिखर होते हैं। शिखर की भीतरी सतह से टकराकर ऊर्जा तरंगें व ध्वनि तरंगें व्यक्ति के ऊपर पड़ती हैं। ये परावर्तित किरण तरंगें मानव शरीर आवृत्ति बनाए रखने में सहायक होती हैं। व्यक्ति का शरीर इस तरह से धीरे-धीरे मंदिर के भीतरी वातावरण से सामंजस्य स्थापित कर लेता है। इस तरह मनुष्य असीम सुख का अनुभव करता है। पुराने मंदिर सभी धरती के धनात्मक (पॉजीटिव) ऊर्जा के केंद्र हैं।

संक्षिप्त समाचार

भिलाई निगम की महापौर परिषद ने बजट 2026-27 को दी मंजूरी, विकास और जन-सुविधाओं पर रहेगा जोर

भिलाई नगर। नगर पालिक निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय में आज महापौर परिषद की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता एवं निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए शहर के विकास का वित्तीय खाका तैयार किया गया। बजट प्रस्तुतिकरण के दौरान आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने निगम द्वारा तैयार किया गया आगामी वित्तीय वर्ष का बजट महापौर के समक्ष प्रस्तुत किया। महापौर नीरज पाल ने बजट के प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा प्रारंभ की, जिसमें परिषद के सदस्यों ने बजट की बारीकी से समीक्षा की और शहर हित में अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। गहन विचार-विमर्श के उपरांत, परिषद के सदस्यों ने जनहितैषी कार्यों और शहर की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए बजट में आवश्यक संशोधनों को शामिल किया। इसके पश्चात, वित्तीय वर्ष 2026-27 के इस बजट को अंतिम निर्णय हेतु सामान्य सभा में भेजने का सर्वसम्मति से फैसला लिया गया। बैठक में महापौर परिषद सदस्य लक्ष्मीपति राजू, सीजू एन्थोनी, संदीप निरंकारी, साकेत चंद्राकर, केशव चौबे, एकांश बंछोर, आदित्य सिंह, लालचंद वर्मा, मन्नान गफ्फार खान, चंद्रशेखर गंवई, रीता सिंह गेरा, नेहा साहू, अपर आयुक्त राजेन्द्र कुमार दोहरे, उपायुक्त डी. के. कोसरिया, प्रभारी अधीक्षण अभियंता वेशराम सिन्हा, सभी जोन आयुक्त अजय राजपूत, येशा लहरे, कुलदीप गुप्ता, अमरनाथ दुबे, अजय गौर, कार्यपालन अभियंता सुनील जैन, संजय अग्रवाल, संजय वर्मा, अनिल सिंह, अरविन्द शर्मा, लेखाधिकारी चंद्रभूषण साहू, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, राजस्व अधिकारी जे पी तिवारी, सहायक अभियंता नितेश मेश्राम एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

निगम आयुक्त ने किया सघन निरीक्षण, मियावाकी प्लांटेशन और जल संरक्षण पर जोर

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने आज जोन-2 वैशाली नगर और कैलाश नगर क्षेत्र का विस्तृत दौरा कर विकास कार्यों एवं व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मियावाकी वृक्षारोपण, अतिक्रमण हटाने और मुख्य नहर के माध्यम से जल संवर्धन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयुक्त ने इंदु आई.टी. के पीछे निगम स्वामित्व के रिक्त भूखण्ड का अवलोकन किया। शासन की मंशा के अनुरूप यहाँ 'मियावाकी पद्धति' से सघन पौधारोपण की तैयारी पूरी कर ली गई है। स्थल पर बोरवेल और फेंसिंग का कार्य संपन्न हो चुका है। आयुक्त ने कहा कि इस पद्धति से न केवल पर्यावरण हरा-भरा होगा, बल्कि वायु प्रदूषण पर भी प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकेगा। शांति नगर के स्थानीय निवासियों ने आयुक्त से मुलाकात कर क्षेत्र में सुगम आवागमन हेतु नई सड़क निर्माण की मांग रखी। आयुक्त ने निवासियों को आश्वस्त किया कि नियमानुसार प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र प्रेषित किया जाएगा। कैलाश नगर में निरीक्षण के दौरान सड़क किनारे नागरिकों द्वारा बाउंड्रीवाल निर्माण और बिल्डिंग मटेरियल रखकर मार्ग अवरुद्ध करने की शिकायत सही पाई गई। आयुक्त ने इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल बाधाएं हटाने के निर्देश दिए। एकता चौक, कैलाश नगर और कुरूद रोड किनारे स्थित मुख्य नहर का निरीक्षण किया गया। इस नहर के माध्यम से क्षेत्र के तालाबों को भरा जाएगा, जिससे भू-जल स्तर में सुधार होगा और स्थानीय निवासियों को निस्तारी कार्यों में सुविधा मिलेगी। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त येशा लहरे, कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा, उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू, उप अभियंता श्वेता महेश्वर, जोन स्वास्थ्य अधिकारी शंकर सहानी एवं स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। यह अभियान शहर के सौंदर्यीकरण और पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दुर्ग में एनडीपीएस प्रकरणों के जप्त मादक पदार्थों का वैधानिक नष्टीकरण

दुर्ग। नारकोटिक्स एक्ट के प्रकरणों में जप्त मादक पदार्थों का सोमवार को जिला दुर्ग में वैधानिक नष्टीकरण किया गया। नारकोटिक्स सेल, पुलिस मुख्यालय छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार जिला स्तर पर गठित ड्रग्स डिस्पोजल समिति की उपस्थिति में यह कार्यवाही निर्धारित प्रक्रिया के तहत संपन्न कराई गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 16 मार्च 2026 को जिले के विभिन्न थानों में एनडीपीएस एक्ट के तहत जप्त मादक पदार्थों का नष्टीकरण किया गया। इस दौरान कुल 58 प्रकरणों में जप्त मादक पदार्थों एवं नशीली दवाइयों को नष्ट किया गया। नष्टीकरण की कार्यवाही में 612.515 किलोग्राम गांजा, 06.550 ग्राम ब्राउन शुगर, 78,333 टेबलेट, 23,200 कैप्सूल तथा 197 सिरप शामिल रहे।

जिला कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी संजुला शर्मा के मार्गदर्शन में विशेष रेस्क्यू अभियान

मुंगेली(समय दर्शन)जिले में बाल श्रम और भिक्षावृत्ति की रोकथाम के लिए कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती संजुला शर्मा के मार्गदर्शन में विशेष रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। अभियान अंतर्गत जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला एवं बाल विकास विभाग, श्रम विभाग, पुलिस विभाग तथा चाइल्ड हेल्पलाइन की संयुक्त टास्क फोर्स द्वारा विभिन्न स्थानों पर कार्यवाही की जा रही है। अभियान के दौरान जिले के कारखानों, ढाबों, उद्योगों, होटलों, दुकानों तथा अन्य छोटे-बड़े प्रतिष्ठानों के साथ-साथ संगठित और असंगठित क्षेत्रों में निरीक्षण किया जा रहा है। खदानों, ईंट भट्टों और निर्माण स्थलों जैसे कार्यस्थलों पर बाल श्रम में संलिप्त पाए जाने वाले बच्चों और किशोरों को रेस्क्यू कर उनके पुनर्वास की कार्यवाही की जा रही है।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्रीमती अंजूबाला शुक्ला ने बताया कि जिला प्रशासन का उद्देश्य बच्चों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करते हुए उन्हें शिक्षा और बेहतर भविष्य की मुख्यधारा से जोड़ना है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, भारत सरकार के निर्देशानुसार यह अभियान 31 मार्च तक संचालित किया जा रहा है। अभियान के दौरान मुंगेली, पथरिया और सरगांव क्षेत्रों में चौक-चौराहों, धार्मिक स्थलों और बाजारों में भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों की पहचान कर उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने और शिक्षा से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इस दौरान संबंधित परिवारों को भी समझाइश दी जा रही है कि वे बच्चों को भिक्षावृत्ति या श्रम में न लगाकर उन्हें विद्यालय भेजें। प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि यदि कहीं बाल श्रम या बच्चों से भिक्षावृत्ति कराए जाने की जानकारी मिले तो तत्काल इसकी सूचना संबंधित विभाग को दें, ताकि समय रहते कार्यवाही कर बच्चों को सुरक्षित किया जा सके।

ओबेन इलेक्ट्रिक के ग्राहकों ने 3.2 करोड़ किलोमीटर का सफर तय किया, रोजाना के सफर का मुख्य वाहन बनी Oben

रायपुर। भारत की तेजी से आगे बढ़ रही रिसर्च-ड्रिवन इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल कंपनी ओबेन इलेक्ट्रिक (Oben Electric) ने जानकारी दी कि कंपनी की इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल चलाने वाले राइडर्स ने देशभर में मिलकर 3.2 करोड़ किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय कर ली है। कंपनी के अनुसार, राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार के सिर्फ दो साल के भीतर यह उपलब्धि इस बात का संकेत है कि लोग अब ओबेन की मोटरसाइकिलों को रोजाना के सफर के लिए अपने मुख्य वाहन के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।

साल 2024 की शुरुआत से अलग-अलग शहरों के डेटा को मिलाकर देखा गया तो पता चला कि कंपनी की Oben Rorr portfolद्वश जिसमें Rorr, Rorr EZ और Rorr EZ Sigma शामिल हैं जिसका इस्तेमाल अलग-अलग ट्रैफिक, सड़क और मौसम की परिस्थितियों में लगातार किया जा रहा है। इससे साफ होता है कि लोग इन मोटरसाइकिलों को रोजाना के काम, ऑफिस आने-जाने और शहर के अंदर सफर के लिए भरोसे के साथ इस्तेमाल कर रहे हैं।

कंपनी अब 85 से ज्यादा शहरों में मौजूद है और इतने बड़े स्तर पर तय किए गए किलोमीटर यह दिखाते हैं कि ओबेन की मोटरसाइकिलों का रोजाना के सफर में बड़े पैमाने पर उपयोग हो रहा है। खास तौर पर कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और दिल्ली जैसे राज्यों और शहरों में इनका उपयोग ज्यादा देखने को मिला है। इन मोटरसाइकिलों का फायदा सिर्फ सफर तक ही सीमित नहीं है बल्कि इससे लोगों को पैसे की बचत और पर्यावरण को भी लाभ हो रहा है। कंपनी के अनुसार, ग्राहकों ने मिलकर करीब 8 करोड़ का पेट्रोल खर्च बचाया है और लगभग 385 मीट्रिक टन CO2 उत्सर्जन कम करने में भी योगदान दिया है।

कंपनी ने ग्राहकों को बेहतर सेवा देने के लिए Oben Care नाम की आफ्टर-सेल्स सर्विस भी शुरू की है। इसके तहत देशभर में सर्विस नेटवर्क बढ़ाया जा रहा है, जिसमें ट्रेंड टेक्नीशियन और 24×7 कस्टमर सपोर्ट जैसी सुविधाएं शामिल हैं, ताकि ग्राहकों को कहीं भी आसानी से सर्विस मिल सके।

इस उपलब्धि पर ओबेन इलेक्ट्रिक की फाउंडर और सीईओ मधुमिता अग्रवाल ने कहा कि रोजाना सफर के लिए भरोसेमंद और टिकाऊ वाहन जरूरी होते हैं। अलग-अलग शहरों और परिस्थितियों में 3.2 करोड़ किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय होना इस बात का संकेत है कि लोग इन मोटरसाइकिलों को अपनी दैनिक जिंदगी का अहम हिस्सा बना रहे हैं।

कंपनी इस समय तेजी से बढ़ रही है। साल 2025 में ओबेन इलेक्ट्रिक ने 376त्न की साल-दर-साल वृद्धि दर्ज की है। साथ ही

कंपनी अगले दो साल में पूरे भारत में 500 शोरूम खोलने की योजना बना रही है ताकि ज्यादा लोगों तक अपने प्रोडक्ट और सर्विस पहुंचा सके।

जेल निरीक्षण समिति द्वारा जिला जेल खोखरा का किया गया निरीक्षण

जांजगीर-चांपा// समय दर्शन / जेल निरीक्षण समिति द्वारा जेलों में निरुद्ध बच्चों के सत्यापन के लिए जिला जेल खोखरा का निरीक्षण किया गया। जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने बताया कि सभी बैरकों में समस्त बंदियों से उम्र संबंधी जानकारी लिए गए। निरीक्षण के दौरान जेल में बंदियो से प्राप्त जानकारी अनुरूप विधि के उल्लंघन करने वाले किशोर नही पाये गये। निरीक्षण समिति द्वारा जेल के कर्मचारीयों को अवगत कराया गया कि जेलों में प्रवेश देते समय यदि बंदी 18 वर्ष से कम के प्रतीत होने की स्थिति में या उम्र के प्रति संदेहास्पद होने के स्थिति में समिति के सदस्यों को तत्काल सूचना दी जाए ताकि समिति द्वारा उम्र सत्यापन के पश्चात् किशोरों को संप्रेक्षण गृह में संरक्षण की प्रांरभिक कार्यवाही की जा सके। निरीक्षण के दौरान जिला जेल निरीक्षण समिति के सदस्य विधिक सह परीविक्षा अधिकारी श्री सम्मे सिंह कवंर, संरक्षण अधिकारी श्रीमती ज्योति मिश्रा, श्री पुष्पेन्द्र मरकाम, श्री हर्ष वर्धन सिंह, जिला जेल अधीक्षक श्री डी.डी. टोण्डर सहित जेल के कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनदर्शन में आये 114 आवेदन पत्रों की हुई सुनवाई

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई करने के दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा //समय दर्शन / कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों और मांगों को संवेदनशीलता के साथ सुना। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों का प्राथमिकता के साथ समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। जनदर्शन में आज कुल 114 आवेदन प्राप्त हुए।

जनदर्शन में तहसील मुख्यालय चांपा के वार्ड क्रमांक 1 निवासी श्रीमती भुवनेश्वरी पटेल द्वारा एपीएल राशन कार्ड को विलोपित करवाने, तहसील पामगढ़ के ग्राम कोसा निवासी श्री राम कुमार सिंह चंदेल द्वारा सीमांकन करवाने, तहसील बलौदा अंतर्गत ग्राम पंतोरा निवासी श्री राम कुमार यादव द्वारा अवैध अतिक्रमण पर कार्यवाही करवाने, तहसील जांजगीर के नैला श्रीमती गोदावरी सूर्यवंशी द्वारा विधवा पेंशन का लाभ दिलाने, तहसील नवागढ़ के ग्राम दहिदा निवासी श्री भागवत प्रसाद साहू द्वारा आधार कार्ड में सुधार करवाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किए। इसी प्रकार अन्य आवेदकों द्वारा पीएम आवास, सीमांकन, बंटाकन, त्रुटि सुधार, राशन कार्ड, आधार कार्ड सुधार सहित विभिन्न विषयों पर आवेदन प्रस्तुत किये गये। कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों का प्राथमिकता के साथ समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए।

जनगणना 2027 डिजिटल माध्यम से आंकड़ों का होगा संग्रहण

जिला स्तरीय प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

स्वगणना वेब पोर्टल नागरिक स्वयं मोबाईल के माध्यम से भर सकते हैं जानकारी

मुंगेली(समय दर्शन)जनगणना 2027 के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में आयोजित इस प्रशिक्षण में जनगणना कार्य से जुड़े अधिकारियों को विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना के उद्देश्य, कार्ययोजना, प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों की भूमिका और उत्तरदायित्व, भवनों तथा जनगणना मकानों की नंबरिंग, नक्शा तैयार करने की प्रक्रिया, मकान सूचीकरण और गणना से संबंधित प्रश्नों को भरने की विधि तथा स्व-गणना पद्धति के बारे में विस्तार से बताया गया।

जिला सांख्यिकी अधिकारी प्रीतेश अहिरवार ने बताया कि जनगणना 2027 में पहली बार डिजिटल माध्यम से आंकड़ों का संग्रहण किया जाएगा। नागरिक स्वयं स्वगणना वेब पोर्टल के माध्यम से जनगणना डेटा और मकान की जानकारी भर सकते हैं। इससे विशेष रूप से उन लोगों को सुविधा मिलेगी जो रोजगार या अन्य कारणों से अपने निवास स्थान से दूर रहते हैं। इस अवसर पर जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती निष्ठा पांडेय तिवारी, अनुविभागीय जनगणना अधिकारी के रूप में जिले के एसडीएम, चार्ज अधिकारी के रूप में तहसीलदार तथा नगर चार्ज जनगणना अधिकारी के रूप में सीएमओ उपस्थित रहे।

सदर मार्ग में व्याप्त अतिक्रमण हटाने प्रशासन व व्यापारियों की बैठक आयोजित

बालोद (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय के सदर मार्ग व बुधवारी बाजार को व्यवस्थित किए जाने नगरपालिका के जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन व व्यापारियों की महत्वपूर्ण बैठक 18 मार्च को नगरपालिका में आयोजित की गई है जिसमें सदर मार्ग में अतिक्रमण किस तरह से हटाया जाए जिससे यातायात सुगम हो सके तथा बुधवारी बाजार को किस तरह से व्यवस्थित किया जाए जिससे ग्राहकों को सुविधा मिल सके, इन विषयों पर चर्चा उपरांत अतिक्रमण कार्रवाई की तिथि व समय निर्धारित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि पुराने बस स्टैण्ड से सदर मार्ग में दुकानों के बाहर सामान लगाने के कारण ग्राहकों को दोपहिया या चारपहिया वाहन सड़कों पर खड़ा रखने से आवागमन प्रभावित होता है। इसी तरह नो एंट्री के बाद भी किसी भी समय मालवाहक वाहन दुकानों के सामने खड़ी कर लोड अनलोड किए जाने से यातायात अवरूद्ध हो जाता है। यद्यपि यातायात विभाग द्वारा मालवाहक वाहनों के लिए समय निर्धारित किया गया है परन्तु कड़ाई से पालन नहीं हो रहा है जिसके कारण बाजार दिवस बुधवार व रविवार को भी मालवाहक वाहनों की आवाजाही से यातायात व्यवस्था

पूरी तरह से ध्वस्त होने से आमजनों खासकर पैदल व दोपहिया वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ती है। ज्ञात हो कि मालवाहक वाहनों के लिए सदर से बाहर स्थाई पर्किंग चिन्हांकित किया जाए जहां से छोटे वाहनों से दुकानों तक सामान पहुंचाया जाए जिससे सदर मार्ग की यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो। ज्ञात हो कि बुधवारी बाजार में सब्जी व अन्य दुकानदारों के लिए पर्याप्त जगह है परन्तु स्पर्धा के चलते अधिकांश दुकानदार बाजार से बाहर गांधी भवन के आसपास अव्यवस्थित दुकान लगाने के कारण बाजार में पैदल चलने लायक जगह नहीं रहती। सब्जी खरीदने वाले ग्राहक काफी मशक्कत कर सब्जी खरीदते हैं क्योंकि भीड़ के अलावा बाजार में मवेशियों का जमावड़ा भी रहता है जिसके कारण दुकानदार व ग्राहक दोनों परेशान रहते हैं और उक्त अव्यवस्था के कारण ही बुधवार को मुख्य मार्ग में कई बार जाम की स्थिति निर्मित होती है। बाजार के समीप बाल मंदिर में रविवार व बुधवार को अस्थाई वाहन पार्किंग की व्यवस्था को चुस्त बनाने की आवश्यकता है। बाजार के अंदर दोपहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित किया जाए साथ ही दुकानदारों को चबूतरों में बिठाने पर पहल हो ताकि ग्राहकों को भी सुविधा मिल सके। इसके अलावा मांस मछली विक्रय का स्थान बुधवारी बाजार से हटाकर पूर्व में निर्धारित पाण्डेपारा समीप बनाए गए स्थान पर स्थान्तरित किया जाए। सदर मार्ग व्यवस्थित हो, यातायात व्यवस्था सुगम हो इस पर सदर मार्ग के व्यापारियों से चर्चा उपरांत अतिक्रमण हटाया जाएगा।

खबर-खास

गरियाबंद बना 'छोटा कश्मीर'! ओलों की सफेद चादर से ढका ओड़ गांव, डीएफओ ने जारी किए हैरान करने वाले फोटो-वीडियो

गरियाबंद। तस्वीरें देखकर किसी को भी लगेगा कि यह नजारा कश्मीर का है,लेकिन हकीकत में यह छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले का ओड़ गांव है। देर रात हुई तेज बारिश और ओलावृष्टि के बाद पूरा इलाका सफेद चादर से ढक गया,जिससे नजारा बिल्कुल कश्मीर जैसा नजर आने लगा।

प्रकृति के इस अनोखे रूप ने लोगों को हैरान कर दिया है। गांव और आसपास के जंगलों में ओलों की मोटी परत जम गई, जिससे वादियां बर्फ जैसी दिखने लगीं

डीएफओ ने जारी किए फोटो-वीडियो- उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के डीएफओ वरुण जैन ने इस अद्भुत नजारे के फोटो और वीडियो जारी करते हुए जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीती रात हुई बारिश और ओलावृष्टि के कारण यह दुर्लभ दृश्य देखने को मिला।

लोगों में उत्साह, सोशल मीडिया पर वायरल- ओलों से ढके इस सफेद नजारे के फोटो और वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं।स्थानीय लोग इसे गरियाबंद का कश्मीर कहकर साझा कर रहे हैं।

फसलों को नुकसान की आशंका- हालांकि इस खूबसूरत दृश्य के साथ किसानों की चिंता भी बढ़ गई है, क्योंकि ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान होने की संभावना जताई जा रही है।

कुदरत का करिश्मा- गरियाबंद में ऐसा नजारा कम ही देखने को मिलता है,जिससे यह घटना लोगों के लिए खास बन गई है।

कलेक्टर ने सीएमओ की बैठक लेकर शासकीय योजनाओं का प्रभावी, क्रियान्वयन करने के निर्देश दिये

गरियाबंद। कलेक्टर बीएस उईके ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में नगरीय निकायों में संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि नगरीय निकायों में संचालित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करते हुए नगरीय निकायों व्यवस्थित करने और सुधारने में अपने दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करें। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लक्ष्य और उनके अनुरुप लक्ष्य पूर्ति की जानकारी ली। कलेक्टर ने कोपरा फिंगेश्वर,राजिम,गरियाबंद, देवभोग, छुरा नगरीय निकायों के विकासात्मक कार्यों की समीक्षा की।अधोसंरचना मद अंतर्गत निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा की जिसमें निर्माणधीन कार्यों की प्रगति लाने के निर्देश दिए प्रगतिरत कार्यों का निरीक्षण कर गुणवत्ता सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर श्री उईके ने नगरीय निकाय में राजस्व वसूली को लेकर कहा कि यह प्रशासन के विकास के लिए महत्वपूर्ण है।जिसमें आम जनता की सेवाओं में विस्तार होगा।सभी नगरीय निकाय में निर्धारित राजस्व वसूली का कार्य प्राथमिकता से करें। उन्होंने कुछ नगरीय निकायों में कम राजस्व वसूली होने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सभी निकायों में अवैध निर्माण पर कार्रवाई करने कहा। गलियों का नियमित रूप से साफसफाई करायें, नगर पालिका गरियाबंद सहित अन्य नगरीय निकयों में नाली निर्माण,सड़क निर्माण,सीसीटीवी, स्ट्रीट लाईट लगवाये।ताकि आम जनता की सुविधा एवं सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। कोपरा में गलियों के सकरी होने के कारण अवैध निर्माण पर रोक एवं घरों व दुकानों के सामने सड़को एवं गलियों में अतिरिक्त शेड पर कार्यवाही करने के लिए कहा। साथ ही नगरीय निकायों में चले रहे कार्यो का सतत रूप से निरीक्षण करने के निर्देश दिएं।कलेक्टर बीएस उईके ने विधायक मद एवं सांसद मद के स्वीकृत के कार्यों की जानकारी ली। जिसे जल्द पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया।जिसमें निर्माणधीन कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शीघ्र ही प्रारंभ कराते हुए पूर्ण कराने को कहा। उन्होंने ने नगरीय निकाय में स्वीकृत सभी प्रकार के निर्माण कार्यों को समयावधि में पूर्ण करने को कहा। इसके साथ ही गर्मियों में जल संकट के दृष्टिगत जल संचयन एवं जल संरक्षण को लेकर जागरूकता अभियान चलाने के लिए निर्देशित किया। इसके साथ ही फिंगेश्वर राजिम,देवभोग,छुरा जैसे शहरों में जल संकट की स्थिति को देखते हुए बोर खनन पर पूर्णतः प्रतिबंधित लगाने कहा।

यातायात नियमों की अनदेखी पर प्रशासन सख्त: एक ही दिन में 28 वाहनों के चालान, 44,300 का वसूला गया जुर्माना

सारंगढ़-बिलाईगढ़ (समय दर्शन) जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और सुरक्षित सफर सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यातायात पुलिस ने चेकिंग अभियान तेज कर दिया है। इसी कड़ी में यातायात दल द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई, जिसमें कुल 28 प्रकरणों में 44,300 रुपये का शमन शुल्क वसूला गया।

प्रमुख बिंदुओं पर केंद्रित रही कार्रवाई- यातायात विभाग द्वारा चलाए गए इस विशेष अभियान के दौरान शहर के मुख्य चौक-चौराहों पर सघन जांच की गई। पुलिस टीम ने मुख्य रूप से निम्नलिखित लापरवाहियों पर शिकंजा कसा:

बिना हेलमेट: दुपहिया वाहन चलाने वाले ऐसे लोग जो सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर रहे थे।

तीन सवारी (ट्रिपल राइडिंग): क्षमता से अधिक सवारी बैठाकर वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई हुई।

सीट बेल्ट का प्रयोग न करना: चार पहिया वाहनों में सीट बेल्ट न लगाने वाले चालकों के खिलाफ भी चालान काटे गए।

दस्तावेजों की कमी: ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य जरूरी कागजात न होने पर भी मोटर यान अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

अधिकारियों की उपस्थिति और निर्देश- इस पूरी कार्रवाई का नेतृत्व यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक जितेन्द्र चन्द्रा ने किया। उनके साथ यातायात पुलिस की पूरी टीम मुस्तैद रही।

?निरीक्षक जितेन्द्र चन्द्रा ने इस दौरान वाहन चालकों को समझाइश देते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन केवल जुर्माना से बचने के लिए नहीं, बल्कि स्वयं की और दूसरों की जान बचाने के लिए करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में यह अभियान और भी सख्त किया जाएगा, विशेषकर उन लोगों के लिए जो बार-बार नियमों को तोड़ते हैं।

जनता से अपील- पुलिस प्रशासन ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि वे सड़क पर चलते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें। साथ ही, नाबालिग बच्चों को वाहन न देने और शराब पीकर वाहन न चलाने का आग्रह किया गया है ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक संपन्न

कलेक्टर एवं सीईओ ने बिहान द्वारा प्रकाशित पत्रिका उजास का किया विमोचन

गरियाबंद (समय दर्शन)। लखपति महिला पहल अंतर्गत जिला स्तरीय समन्वय समिति के सफल संचालन एवं क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर बीएस उइके की अध्यक्षता में आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई।इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यापालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर सहित जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान महिलाओं के स्वावलंबन, आत्मनिर्भरता एवं सशक्तिकरण पर जोर दिया गया। बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत संचालित लखपति महिला पहल का उद्देश्य स्व सहायता समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना एवं उन्हें स्वरोज़गार से जोड़ते हुए उनकी वार्षिक आय को एक लाख रुपये से अधिक तक बढ़ाना है।इसके लिए महिलाओं को कृषि, पशुपालन, मत्स्यपालन, बागवानी, वन आधारित गतिविधियों एवं लघु उद्योगों से जोड़कर सतत् आजीविका के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

गरियाबंद जिले में अब तक 28 हजार से अधिक लखपति दीदी बन चुकी हैं,जो महिलाओं के आर्थिक स्वालंबन एवं सशक्तिकरण को दर्शाती है। इसके लिए सभी विभागों की योजनाओं का लाभ महिलाओं तक पहुँचाना शामिल है। कार्यक्रम के दौरान लखपति दीदी ग्राम की संकल्पना के बारे में पावर पॉइंट प्रस्तुतिकरण के माध्यम से विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। बताया गया कि इस मॉडल के अंतर्गत ग्राम स्तर पर महिलाओं को विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जोड़कर समग्र रूप से उनके आय में वृद्धि सुनिश्चित की जाएगी।

कलेक्टर श्री उइके ने कहा कि इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय एवं संयुक्त प्रयासों के साथ कार्य करें, ताकि लखपति दीदी ग्राम की परिकल्पना को सफलतापूर्वक साकार किया जा सके। बैठक में लखपति महिला पहल आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शित की गई। जिसमें जिले के महिलाओं द्वारा किए जा रहे विभिन्न आजिविका मूलक कार्यों को सफलता की जा रही है। इसके अलावा बिहान गरियाबंद की ओर से प्रकाशित पत्रिका उजास स्वावलंबन व आत्मनिर्भरता का बिहान का विमोचन किया गया। कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि वे अपनी-अपनी विभागीय योजनाओं का अधिकतम लाभ स्व सहायता समूह की महिलाओं तक पहुँचाना सुनिश्चित करें। प्रशिक्षण,तकनीकी सहयोग, वित्तीय समावेशन एवं विपणन सुविधाओं के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया।इसके साथ ही,समयबद्ध कार्ययोजना बनाकर नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जिला पंचायत के सीईओ चंद्राकर ने कहा कि सभी विभागों के समन्वित प्रयासों से जिले की अधिक से अधिक महिलाएँ लखपति दीदी बनकर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल स्थापित करेंगी और जिले के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। इसके लिए संबंधित विभाग लखपति दीदीयों को विभागीय योजनाओं से लाभान्वित करने को प्राथमिकता दे साथ ही उन्हें बैंको के माध्यम से ऋण दिलाए। इस दौरान डीपीएम पतंजल मिश्रा ने बिहान दीदीयों के द्वारा जिले में आत्मनिर्भरता के तहत चल रहे कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

गरियाबंद के जंगल में खूनी हमला : भालू ने ग्रामीण को किया लहूलुहान, हालत नाजुक

गरियाबंद। जिले के जंगल क्षेत्र में एक खतरनाक घटना सामने आई है। मंगलवार सुबह महुआ संग्रहण करने गए एक ग्रामीण पर जंगली भालू ने अचानक हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार,गरियाबंद वनमंडल के परसुली परिक्षेत्र अंतर्गत कोचई मुड़ा गांव निवासी 45 वर्षीय पुराणिक (पिता सूघो राम यादव) सुबह करीब 6 बजे अपनी पत्नी के साथ घर के पास जंगल में महुआ बीनने गया था।

कलेक्टर बीएस उइके ने दिए विभागों को आवश्यक निर्देश

शासन की प्राथमिक योजनाओं, शिकायतों व विकास कार्यों की हुई व्यापक समीक्षा

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बीएस उइके की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक लेकर विभागवार विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर,अपर कलेक्टर ऋचा ठाकुर सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं लंबित प्रकरणों एवं विभागीय गतिविधियों की जानकारी लेकर समीक्षा करते हुए कार्यों में और तेजी लाने के निर्देश दिए।बैठक में उन्होंने ई-ऑफिस एवं ईएचआरएसएस की प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी विभाग अपने-अपने कार्यों को अधिकतम ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से करें,जिससे कार्य करने में आसानी एवं पारदर्शिता हो। उन्होंने अधीनस्थ कार्यालयों तक आवश्यक सूचनाओं का समय पर भेजने को कहा।साथ ही जिन अधिकारियों, कर्मचारियो एवं की ईमेल आईडी अभी तक सक्रिय नहीं है, उन्हें तत्काल सक्रिय कराने के निर्देश दिए गए।राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को ई-गवर्नेंस पोर्टल पर अनिवार्य प्रशिक्षण पूर्ण करने के लिए भी कहा गया, ताकि डिजिटल प्रणाली का अच्छा उपयोग किया जा सके। कलेक्टर ने आगामी वित्तीय वर्ष के लिए सभी विभागों को कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता के साथ समय-सीमा का पालन करना अत्यंत आवश्यक है।जन शिकायतों के निराकरण पर जोर देते हुए उन्होंने वेब पोर्टल पर लंबित शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही हाईकोर्ट द्वारा दिए गए निर्देशों का समय-सीमा में पालन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी पूर्वक कार्य करने को कहा। ई-मॉनिटरिंग प्रणाली के माध्यम से सभी विभागों को नियमित समीक्षा करने और प्रगति अद्यतन करने के निर्देश भी दिए गए। नगर निकायों से संबंधित विषयों की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना की प्रगति की जानकारी ली गई तथा पात्र हितग्राहियों को अधिकाधिक लाभान्वित करने के निर्देश दिए गए। नगर पालिका अधिनियम के तहत अवैध प्लाटिंग पर सख्त कार्रवाई करने तथा अनियमितताओं पर नियंत्रण सुनिश्चित करने को कहा गया।

।। न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन, जिला दुर्ग (छत्तीसगढ़)।।

।। ईश्तहार ।।

रा.प्र.क. 202603101500048 / अ-6 अ / 2025-26 ग्राम कौंही प.ह.नं. 40 तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) दिनांक 10.03.2026

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक खिलावन राम पिता कामताराम साहू निवासी ग्राम सिलघट तह. भखारा जिला धमतरी छ.ग. द्वारा मौजा ग्राम कैही प.ह.नं. 40 तह. पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 595/ 2 रकबा 0.24 है. आवेदक के नाम पर दर्ज हैं। उक्त आवेदित भूमि के आनलाईन नक्शा में त्रुटि होने से आवेदक द्वारा नक्शा त्रुटि सुधार किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत नक्शा सुधार के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा / आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत सुनवाई दिनांक 27/03/2026 तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

ईश्तहार आज दिनांक 10/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार, धमधा जिला-दुर्ग (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./202603100800019/ अ-19(2)/वर्ष 2025-26
ग्राम राहटावाह/प.ह.नं. 17,

उद्घोषणा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक ठा. बजरंग सिंह बैस, केन्द्रीय अध्यक्ष, राजपूत क्षत्रिय महासभा, छ.ग. राहटादाह प.क्रं.1282 द्वारा ग्राम राहटादाह तहसील धमधा स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 46 रकबा 6.47 हे. में से 1.56 हे. लगभग (3.90 एकड़) भूमि को राजपूत क्षत्रिय महासभा छत्तीसगढ़ राहटादाह प.क्रं.1282 केन्द्रीय कार्यालय भवन निर्माण हेतु शासकीय भूमि आबंटित करने बाबत पत्र कलेक्टर महोदय को संबोधित किया गया है, जो कलेक्टर (आबंटन) दुर्ग (छ.ग.)पत्र क्रमांक/1166/आबंटन/2026 दुर्ग दिनांक 19.02. 2028 एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) धमधा जिला दुर्ग के ज्ञापन क्रमांक/196/ अ.वि.अ. /वाचक-1/2026 धमधा दिनांक 23.02.2026 के माध्यम से इस न्यायालय को भूमि आवंटन हेतु प्रतिवेदन प्रस्तुत करने प्राप्त हुआ है। आबंटन हेतु प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त भूमि आबंटन के संबंध में यदि जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था/समिति को कोई दावा/आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अपने वैध अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में आगानी पेशी दिनांक 30/03/2026 तक न्यायालयीन अवधि में प्रस्तुत कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक 13/03/2026
आगामी पेशी दिनांक 30/03/2026

मुहर

तहसीलदार
धमधा, जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन, जिला दुर्ग (छत्तीसगढ़) ।।

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र./202603101500040/अ-74 वर्ष 2025-26 ग्राम बोरेन्दा प.ह.नं. 40 तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) पाटन, दिनांक 10/03/2026

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्यामलाल पिता स्व.राज कुमार निवासी ग्राम बोरेन्दा तह. पाटन जिला दुर्ग द्वारा मौजा ग्राम बोरेन्दा प.ह.नं. 40 तह. पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 69/1, 70 रकबा क्रमश: 0.38 0.20 हे. भूमि आवेदक के नाम पर दर्जी है। उक्त अभि का ऋण पुस्तिका बोरन्दा में कही गुम हो गया है। जिसके रिपोर्ट थाना रानीतराई मे दर्ज कराया गया है। अत: आवेदक द्वारा उक्त आवेदित भूमि का द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका प्रदाय किये जाने हेतु आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत किया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा / आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत सुनवाई दिनांक 25/03/2026 तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

ईस्तहार आज दिनांक 10/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी।

मुहर

नायब तहसीलदार
पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार, पाटन के न्यायालय में मामला क्रमांक:

202603104500031

विषय:- ब-121 **मामले की श्रेणी :- राजस्व** सन:- 2025 2026 खुड़मुड़ी प.ह.न. 00015 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार - भारत ढीमर,
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम खुड़मुड़ी प.ह.नं. 15 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक भारत ढीमर पिता प्रेम ढीमर पता-खुड़गुड़ी तहसील पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) द्वारा धुरसाय पिता स्व. महुदी का मृत्यु दिनांक 15.06.1980 दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अत: उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा/ आपत्ति हो तो सुनवाई हेतु नियत तिथि 24.03.2026 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 10/03/2026 को जारी किया जाता है।

मुहर

अतिरिक्त तहसील
पाटन

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार, पाटन के न्यायालय मे मामला क्रमांक:

202603104500019

विषय:- ब- 121 **मामले की श्रेणी:- राजस्व** सन:- 2025 2026 बटंग(प ह नं. 00007),
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार - अशोक कुमार,
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम बटंग प.ह.नं. 07 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता कि आवेदक अशोक कुमार पिता स्व. जेहर सिंह निवासी ग्राम बटंग तहसील पाटन जिला दुर्ग द्वारा ग्राम बटंग प.ह.नं. 7 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 88/2 रकबा 0.82 है, में आवेदक निर्विवाद कास्त काबिज करने से शासकीय मद में दर्ज होने से अभिलेख दुरूस्त किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अत: उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा/ आपत्ति हो तो सुनवाई हेतु नियत तिथि 24.03.2026 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 09/03/2026 को जारी किया जाता है।

मुहर

अतिरिक्त तहसील
पाटन

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड,बालोद (छ.ग.)

निविदा क्र. 05/ ले.शा./ज.जी.मि./का.अ./लो.स्वा.यां.खण्ड/ 2026 बालोद,दिनांक 09.03.2026

// सूचना //

इस कार्यालय द्वारा जल जीवन मिशन के अंर्तगत विकासखंड बालोद के ग्राम करकाभाठ में टंकी निर्माण,पाईप लाईन विस्तार तथा अन्य कार्य (शेड्यूल के अनुसार) के लिए निविदा सूचना क्र.05(सिस्टम क्र.186224) के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रण हेतु सूचना प्रकाशित की गई थी। तकनीकी कारणों से उक्त निविदा ऑनलाईन पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in पर अपलोड नहीं कि जा सकी। अत: उक्त निविदा हेतु पृथक से समय सारिणी उपलब्ध कराया जायेगा।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य खण्ड बालोद
जिला -बालोद (छ.ग.)

G-252607190 / 3

संक्षिप्त-खबर

शिशु संरक्षण माह का शुभारंभ, बच्चों को पिलाया गया विटामिन ए सिरप

पाटन (समय दर्शन)। शिशु संरक्षण माह (स्स्रू) के अंतर्गत विटामिन ए अनुपूरण कार्यक्रम का आयोजन 17 मार्च 2026 से 20 अप्रैल 2026 तक किया जाएगा। इस अभियान के तहत 9 माह से 59 माह तक के बच्चों को विटामिन ए सिरप पिलाया जाएगा तथा 6 माह से 59 माह तक के बच्चों को आयरन सिरप की बोतलें वितरित की जाएंगी।

कार्यक्रम के दौरान ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस (टीकाकरण दिवस) में दी जाने वाली सेवाओं को और सुदृढ़ किया जाएगा। इसमें मुख्य रूप से विटामिन ए अनुपूरण, आयरन सिरप वितरण, एनीमिया स्क्रीनिंग तथा स्तनपान से संबंधित गतिविधियों पर विशेष जोर दिया जाएगा।

इस अभियान का शुभारंभ आज नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले एवं जनपद पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा द्वारा पोषण पुनर्वास केंद्र पाटन में बच्चों को विटामिन ए सिरप पिलाकर किया गया।

इस अवसर पर डॉ. भुवनेश्वर कठौतिया (बीएमओ पाटन), केवल देवांगन (सभापति, नगर पंचायत पाटन), देवेंद्र ठाकुर (सभापति, नगर पंचायत पाटन), बी.एल. वर्मा (बीईटीओ पाटन), के.के. वर्मा (सुपरवाइजर) सहित अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

जरवाय में माँ कर्मा जयंती पर भव्य समारोह, मूर्ति स्थापना संपन्न

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम जरवाय (पाटन) में स्थानीय साहू समाज के संयुक्त तत्वाधान में संत माता कर्मा जयंती का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धा और उत्साह के साथ माँ कर्मा की मूर्ति स्थापना की गई, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजनों की सहभागिता रही।

कार्यक्रम में क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिकों एवं समाज के प्रमुख पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि के रूप में लालेश्वर साहू (अध्यक्ष, तहसील साहू संघ पाटन) उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामनारायण साहू (अध्यक्ष, परिक्षेत्रिय साहू समाज तेलीगुण्डरा) ने की।

विशेष अतिथियों में माननीय श्रीमती कल्पना नारद साहू (सभापति, जिला पंचायत दुर्ग), योगेश निक्की भाले (अध्यक्ष, नगर पंचायत पाटन), अशोक साहू (विधायक प्रतिनिधि), दाऊ दिनेश साहू (कार्यकारी अध्यक्ष, तहसील पाटन), रमेश कुमार साहू (सहसचिव, जिला साहू संघ दुर्ग), दिनेश साहू (पूर्व अध्यक्ष, तहसील साहू संघ पाटन), यशवंत साहू (सरपंच, ग्राम पंचायत जरवाय) एवं किशोर साहू (संचालक, किशोर मेडिकल स्टोर्स पाटन) शामिल रहे।

समारोह के दौरान वक्ताओं ने संत माता कर्मा के आदर्शों और समाज में उनके योगदान पर प्रकाश डाला तथा समाज में एकता और सामाजिक उत्थान का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण एवं सामूहिक आशीर्वाद के साथ हुआ। इससे पहले महिलाओं और बालिकाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। सरस्वती बालिका मानस मंडली द्वारा प्रस्तुति दी गई।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में देवरबीजा छात्राओं का रहा दबदबा

साजा (समय दर्शन)। शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा आयोजित अखिल भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन अक्टूबर 2025 में हुआ। जिनका परीक्षा परिणाम घोषित हो गया है। सरस्वती ज्ञान मंदिर हाई स्कूल देवरबीजा के विभिन्न छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में शामिल हुए थे। कक्षा नवमी के छात्रा प्रथम स्थान चांदनी देवांगन पिता विजय देवांगन, द्वितीय स्थान दीपिका ठाकुर पिता लोकेश्वर सिंह ठाकुर, तृतीय स्थान प्रिया राजपूत पिता सुंदर राजपूत ने प्राप्त कर संस्था एवं अपने परिवार का नाम रोशन कर दिखाया। प्राचार्य पुष्पराज सेन ने तीनों छात्रों को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर संस्था प्राचार्य पुष्पराज सेन, संस्था प्रभारी सतरूपा सेन समेत स्कूल के सभी शिक्षक -शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दुर्ग (ग्रामीण) से हजारों कार्यकर्ताओं की भागीदारी, जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन

पाटन (समय दर्शन)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर 17 मार्च 2026 को रायपुर में आयोजित विधानसभा घेराव कार्यक्रम में दुर्ग (ग्रामीण) जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से हजारों कार्यकर्ताओं ने भागीदारी दर्ज कराई। जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर के नेतृत्व में सैकड़ों वाहनों के काफिले के साथ कांग्रेसजन बड़ी संख्या में रायपुर पहुंचे और सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया।

ज्ञात हो कि कार्यक्रम की तैयारी को लेकर पूर्व में राजीव भवन दुर्ग में जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) की बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई थी।

विधानसभा घेराव कार्यक्रम से पूर्व दुर्ग (ग्रामीण) जिला कांग्रेस अंतर्गत पाटन, अहिवारा, दुर्ग ग्रामीण, धमधा ब्लॉक एवं साजा विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसजन, ब्लॉक अध्यक्षों एवं जिला पदाधिकारियों के साथ जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर, पूर्व मुख्यमंत्री माननीय भूपेश बघेल के रायपुर स्थित निवास पहुंचे। वहां से सभी कांग्रेसजन एकजुट होकर रैली के रूप में विधानसभा घेराव स्थल के लिए रवाना हुए।

इस दौरान जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में मनरेगा बचाव, जनहित के मुद्दों, बढ़ती अराजकता, नशाखोरी एवं अवैध अफीम की खेती जैसे गंभीर विषयों को लेकर कांग्रेस पार्टी लगातार संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन प्रदेश की जनता के हक और अधिकारों की लड़ाई है और कांग्रेस पार्टी जनता से जुड़े हर मुद्दे पर आगे भी इसी तरह संघर्ष करती रहेगी।

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने बच्चे को विटामिन ए की दवा पिलाकर किया शिशु संरक्षण माह का शुभारंभ

एक लाख 10 हजार से अधिक बच्चों को विटामिन-ए सिरप एवं एक लाख 4 हजार से अधिक बच्चों को आयरन एवं फोलिक एसिड सिरप वितरण का लक्ष्य

महासमुंद(समय दर्शन)। जिला स्तरीय शिशु संरक्षण माह मार्च-अप्रैल 2026 का शुभारंभ कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बच्चों को विटामिन ए की दवा पिला कर किया गया। शिशु संरक्षण माह शुभारंभ अवसर पर सीईओ जिला पंचायत हेमंत नंदनवार, अपर कलेक्टर सचिन भूतड़ा, रवि साहू, सहित जिला स्तरीय अधिकारी एवं बच्चों के पालकगण मौजूद थे।

इस अवसर पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य बच्चों में कुपोषण, एनीमिया तथा अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की रोकथाम करना है, ताकि बच्चों का समुचित शारीरिक और मानसिक विकास सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथियों पर अपने बच्चों को नजदीकी आंगनबाड़ी केंद्र या स्वास्थ्य केंद्र में अवश्य लेकर आएं, ताकि बच्चों को विटामिन-ए एवं आयरन की खुराक देकर उनके स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सके। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास तथा अन्य संबंधित विभागों को समन्वय के साथ अभियान का संचालन के निर्देश दिए हैं।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान 9 माह से 59 माह तक के एक लाख 10 हजार 493 बच्चों को विटामिन-ए सिरप पिलाया जाएगा तथा 6 माह से 59 माह तक के एक लाख 4 हजार 355 बच्चों को आयरन एवं फोलिक एसिड सिरप वितरित किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान के अंतर्गत जिले के सभी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को विशेष स्वास्थ्य सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ पोषण संबंधी सेवाएं भी प्रदान की जाएगी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन एवं स्वास्थ्य कर्मियों के माध्यम से गांव-गांव में जागरूकता गतिविधियां भी संचालित की जाएंगी, जिससे अधिक से अधिक बच्चों तक इस अभियान का लाभ पहुंचाया जा सके। अभियान के दौरान बच्चों का वजन एवं स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जाएगा, एनीमिया की जांच की जाएगी तथा अभिभावकों को पोषण और स्तनपान संबंधी परामर्श भी दिया जाएगा। इसके अलावा गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें उपचार के लिए आवश्यकतानुसार रेफर भी किया जाएगा, ताकि समय पर उनका समुचित इलाज सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने बताया कि विटामिन-ए बच्चों की आंखों की रोशनी को सुरक्षित रखने में सहायक होता है तथा रतौंधी से बचाव करता है। इसके साथ ही यह बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है, जिससे वे संक्रमण से बेहतर तरीके से लड़ पाते हैं और उनकी शारीरिक वृद्धि एवं विकास भी बेहतर होता है।

11जेसीबी एवं हाइवा जप्ती के साथ अवैध खनिज उत्खनन व परिवहन पर कार्यवाही

महासमुंद(समय दर्शन)। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर प्रभावी रोक लगाने के लिए कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खनिज विभाग की टीम ने विशेष अभियान चलाकर अवैध खनिज परिवहन एवं उत्खनन में संलिप्त कुल 11 वाहनों को जप्त किया है।

खनिज अधिकारी फागुलाल नागेश ने बताया कि 13 मार्च को अवैध परिवहन के मामले में फर्शी पत्थर खनिज से भरे 02 आईचर वाहन तथा चूना पत्थर से भरा 01 हाईवा वाहन जप्त किया गया। इसी तरह 16 मार्च को अवैध उत्खनन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए मुरूम खनिज के अवैध उत्खनन में लगे 02 जेसीबी लोडर तथा 06 हाईवा वाहन जप्त किए गए। इस प्रकार कुल 11 वाहन अवैध उत्खनन एवं परिवहन कार्य में संलिप्त पाए जाने पर जप्त किए गए हैं। सभी जप्त वाहनों को सुरक्षा की दृष्टि से थाना तुमगांव एवं महासमुंद की अभिरक्षा में रखा गया है।

उन्होंने बताया कि जप्त सभी वाहनों के विरुद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी तथा प्रकरण में एफआईआर दर्ज कर परिवाद प्रस्तुत किया जाएगा। इस अधिनियम के तहत दोषी पाए जाने पर 02 से 05 वर्ष तक की सजा का प्रावधान है। खनिज अधिकारी ने बताया कि पूर्व में भी जिले के खनिज पट्टेदारों एवं परिवहनकर्ताओं को निर्देशित किया जा चुका है कि बिना अभिवहन पास के खनिज का उत्खनन, परिवहन या भंडारण करना दंडनीय अपराध है।

कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर नियंत्रण के लिए खनिज अमला द्वारा विशेष अभियान चलाकर निरंतर जांच एवं कार्रवाई की जारी रहेगी।

बागबाहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में टीकाकरण के कुछ घंटे बाद 05 वर्षीय बालक की मौत

महासमुंद जिला के बागबाहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की बड़ी लापरवाही

महासमुन्द (समय दर्शन)। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बागबाहरा की बड़ी लापरवाही सामने आया है।05 वर्षीय बच्चे को डीटीपी का टीका लगाने से 03 घंटे बाद बच्चे नैतिक यादव की मौत हो गई हैं।

बागबाहरा में शोक की लहर है। पिड़ीत परिजनों ने आवाज उठाया कि,बच्चे की पोस्ट मार्टम बाहर से कराया जाये, ताकी उनकी मौत का कारण स्पष्ट हो सके।

05 वर्षिय बच्चे नैतिक के पिता जी पुलिस विभाग खल्लारी थाना में पदस्थ है, वर्तमान में शांतिनगर बागबाहरा मे निवासरत थे।

एक पिता का पीड़ा असहनीय है!- परिवार जनों का कहना है कि, बागबाहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की लापरवाही ने मासूम बच्चे की सांसे छीन ली है।

दबी जुबान अनेक लोगों का कहना है कि बागबाहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में चलती है दादागिरी व मनमानी।

बागबाहरा स्वास्थ्य विभाग का कुछ अलग ही पहचान है। जहां पर नियम विरूद्ध कार्य चलते हुए आ रहा है। डाक्टर पिड़ीतों एवं मरीजो के प्रति बिल्कुल भी गंभीर नही रहते है?

लगातार भीड़ व जमावड़ा रहता है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डाक्टर व कर्मचारी की लापरवाही को दरसाता है।

विभागीय लापरवाही का ही नतीजा है कि, बागबाहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के पुरूष स्वास्थ्य संयोजक टीकाकरण के कार्य को छोड़कर बाबु बनकर एक दसक पूर्व से आफिस में बैठा हुआ है।

जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने स्पष्ट रूप से निर्देश किया है कि पुरूष स्वास्थ्य संयोजक को अपने मूल कार्यों में भेजकर उनसे पद के अनुरूप कार्य लिया जाये।

किन्तु बागबाहरा खण्ड चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने उक्त निर्देशों को ठेंगा दिखाते हुए निर्देश का एकाएक अवहेलना किया है।

जिसका काम है वार्डों में घुम घुमकर टीकाकरण करवाए,वो अन्य कार्य में लगा है और उनके ही मूल कार्य विवादों के घेरे में हैं।

टीकाकरण के बाद से हुआ है 05 वर्षीय बच्चे की मौत इसके जिम्मेदार कौन ,एक लापरवाही ने परिवार की खुशी छिन लिया है ।अब तो लोग टीका लगवाने के लिए भी डरेंगे?

क्या विभाग जांच करेगा कि ,उस समय ड्युटी किनका था?िकसने टीका लगाया?

क्या टीका लगाने पूर्व आवश्यक अन्य मापदण्ड पूरे किए गये ?

> टीकाकरण से नहीं, अन्य कारणों से हुई बालक नैतिक की मृत्यु।
>
> बालक का पोस्टमार्टम मेडिकल कॉलेज में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा किया गया।
>
> मृत्यु का कारण श्वासनली में एस्पिरेशन एवं अन्य स्वास्थ्य जटिलताएं हैं, न कि डीपीटी टीकाकरण ।
>
> **सीएमएचओ**
> **डॉ. राव**

ब्लॉक अध्यक्ष अलताफके नेतृत्व मध्य ब्लॉक के सैकड़ो कार्यकर्ता विधानसभा घेरने रायपुर पहुंचे

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर मनरेगा कानून में बदलाव करने के विरोध में एवं छत्तीसगढ़ में बढ़ते नशाखोरी के विरोध में आज विधानसभा घेराव का कार्यक्रम रखा गया था जिसमें जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल निर्देश पर मध्य ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष अलताफअहमद के नेतृत्व में सैकड़ो कार्यकर्ता शंकर नगर रायपुर विधानसभा घेराव करने पहुंचे जहां कांग्रेस के छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज सहित नेताओं ने संबोधित किया।

विधानसभा घेर दुर्ग से मध्य ब्लॉक के अध्यक्ष अलताफअहमद,अजय शर्मा राहुल शर्मा,पूर्व पार्षद अशोक मेहरा, राजकुमार वर्मा,कुमारी श्रद्धा सोनी, अब्दुल वहीद चौहान,गणेश सोनी,भीम सेन,रवि कोसरिया,श्रीमती मीना पाल,श्रीमती बिंदु राजपूत,श्रीमती निर्मला जेम्स, कु.आंचल गुप्ता,हेमंत तिवारी,नरेंद्र पटेल,मनोज सिन्हा,अली असगर,भागीरथी मटियारा,चंद्रेश ढीमर,सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

मनरेगा एवं अफीम,सुखा नशा के विरोध में पाटन के हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता हुए शामिल

दक्षिण पाटन के कांग्रेस कार्यकर्ताओं विधानसभा घेराव में भारी सख्या में पहुचे

पाटन (समय दर्शन)। पाटन विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पाटन एवं जामगांव आर के कांग्रेस कार्यकर्ता भारी सख्या में विधानसभा घेराव में शामिल हुए जिसमें भाजपा सरकार प्रदेश में मनरेगा,सुखा नशा को सरकार द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है जिससे युवा भारी नशे के गिरफ्त में जा रहे हैं।अफीम की खेती भाजपा के रसूखदार लोगों को संरक्षण सरकार दे रही है।अभी भी बहुत जगहों में हो रही खेती को शासन प्रशासन द्वारा बचाने का प्रयास निरंतर जारी है।सरकार की इस दौरान जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में मनरेगा बचाव,जनहित के मुद्दों,बढ़ती अराजकता, नशाखोरी एवं अवैध अफीम की खेती जैसे गंभीर विषयों को लेकर कांग्रेस पार्टी लगातार संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन प्रदेश की जनता के हक और अधिकारों की लड़ाई है और कांग्रेस पार्टी जनता से जुड़े हर मुद्दे पर आगे भी इसी तरह संघर्ष करती रहेगी।

विधायक प्रतिनिधि अशोक साहू ने केंद्र एवं प्रदेश की ट्रिपल इंजन की भाजपा सरकार आम जनता सहित सभी वर्गों को त्रस्त कर चुकी है।मनरेगा ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जान होती है जिसे भी बंद करना,राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का अपमान करने की द्योतक है।

ब्लॉक अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने हमारा छत्तीसगढ़ शांत प्रदेश को उड़ता छत्तीसगढ़ बनाने भाजपा कृत संकल्पित है। इस दौरान पूर्व ओएसडी आशीष वर्मा,जिप सदस्य देवेंद्र चंद्रवंशी,विधायक प्रतिनिधि अशोक साहू राजेश ठाकुर ब्लाक अध्यक्ष ,पुरुषोत्तम तिवारी विकाश वर्मा,तरुण बिजौर, ब्लॉक अध्यक्ष मोहन साहू,संतोषी तिवारी, जयप्रकाश चंद्राकर,जवाहर वर्मा ,गोपाल देवांगन,अजय सिंगौर, खिलेश मारकंडे ,मनीष देवांगन, नीरज सोनी,सालिक साहू,भेदप्रकाश वर्मा,कपूर साहू,दिनेश साहू,छोटू बघेल मंडल अध्यक्ष,भविष्य जैन ,डा ईश्वर निषाद,सोहन जोशी, ,रिकू चंद्राकर,सोहन वर्मा,राजाराम गहिरवार,विष्णु चंद्राकर, रूपचंद साहू,अमित अग्रवाल,किशोर चंद्राकर,डा हेमंत साहू,अशोक सपहा,ललित सिन्हा,संतराम कुर्रे,नरेश श्रीवास,चंद्रभान साहू,राजेंद्र यादव, नारद साहू सन्तोष पटेल टेक सिंह यादव देव कुमार निषाद समस्त पाटन विधानसभा के वरिष्ठ कार्यकर्ता युवा कांग्रेस महिला कांग्रेस के कार्यकर्ता हस्द्ध के कार्यकर्ता सामिल हुए।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26